राजधानी लखनऊ, जौनपुर एवं भदोही से प्रकाशित

R.N.I NO - UPHIN/2002/23967

देश की उपासना

(हिन्दी साप्ताहिक)

www.deshkiupasana.com & www.deshkiupasana.in

वर्ष – 23 | अंक – 25 | लखनऊ, 19 सितम्बर 2025 | पृष्ठ – 08 | मूल्य – 2.00 रूपये

विकसित भारत के लिए अधिक ऊर्जा के साथ काम करूंगा : पीएम मोदी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 75वें जन्मदिन पर दुनियाभर से बधाई संदेश मिले। कई देशों के नेताओं समेत जनता ने भी उनको जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं और उनके लंबे और सुखमय जीवन की कामना की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी अपने जन्मदिन पर मिले बधाई संदेशों से अभिभूत हुए। उन्होंने इसके लिए जनता का आभार जताया। साथ ही विकसित भारत के लक्ष्य को पूरा करने के लिए अधिक ऊर्जा के साथ काम करने का संकल्प दोहराया। पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा कि जनशक्ति का आभार। देश–विदेश से मुझे मिली अनगिनत शुभकामनाओं, आशीर्वादों और स्नेह संदेशों से मैं सचमुच अभिभूत हूं। यह स्नेह मुझे शक्ति और प्रेरणा देता है। इसके लिए मैं जनता का आभार व्यक्त करता हूं। उन्होंने लिखा कि आपने जो अनगिनत शुभकामनाएं और मुझ पर जो विश्वास जताया है, वह मेरे लिए अपार शक्ति का स्रोत है। मैं इन्हें सिर्फ अपने लिए ही नहीं, बल्कि एक बेहतर भारत के निर्माण के लिए हम सब मिलकर जो काम कर रहे हैं, ।

वाराणसी में वीमेन एक्सीलेंस अवॉर्ड से सम्मानित होंगी महिलाएं : स्मृति ईरानी

वाराणसी, (एजेंसी)। महिला और समाज में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए शुक्रवार को अमर उजाला की ओर से वीमेन एक्सीलेंस अवॉर्ड 2025 दिया जाएगा। यह कार्यक्रम होटल सूर्या केसर पैलेस कैंटोनमेंट में शाम पांच बजे से होगा। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी हैं। पूर्व केंद्रीय मंत्री पूर्वांचल की उन प्रतिभाशाली महिलाओं को सम्मानित करेंगी, जिन्होंने शिक्षा, चिकित्सा और समाज सेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य कर समाज में मिसाल कायम की है। इस आयोजन में पूर्वांचल के विभिन्न जिलों की महिलाएं शामिल होंगी। वह अपने कार्यों और उपलब्धियों से नई पीढ़ी को प्रेरित करेंगी। यह कार्यक्रम नारी शक्ति की उपलब्धियों को एक सामूहिक मंच प्रदान करेगा और शिक्षा, स्वास्थ्य व समाजसेवा के क्षेत्र में उनके अमूल्य योगदान को सामने लाएगा। कार्यक्रम के मुख्य प्रायोजक शुभकामना हाइट्स चंदौली हैं, जिनके सहयोग से यह भव्य आयोजन संभव हो पा रहा है। किसी भी तरह की जानकारी के लिए मोबाइल नंबर 8765 842373 पर संपर्क किया जा सकता है।

पीएम मोदी का उदाहरण देकर राहुल गांधी पर अमित शाह ने साधा निशाना

सासाराम, (एजेंसी)। सासाराम में क्षेत्रीय बैठक को संबोधित करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंच से केंद्र व राज्य सरकार की उपलब्धियां गिनाईं। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे घर–घर जाकर इन उपलब्धियों को जन–जन तक पहुंचाएं। मंच पर उनके साथ बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, भाजपा नेता विनोद तावड़े, भाजपा के राष्ट्रीय मंत्री ऋतुराज सिन्हा, बिहार सरकार के मंत्री प्रेम कुमार, मंत्री संतोष कुमार सिंह और पूर्व सांसद गोपाल नारायण सिंह मौजूद रहे। अमित शाह ने राहुल गांधी की वोटर अधिकार यात्रा पर भी तीखा प्रहार किया। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी हाल ही में बिहार यात्रा पर आए थे, लेकिन उनकी यात्रा का मकसद शिक्षा, रोजगार, बिजली या सड़क विकास नहीं था। शाह के मुताबिक, राहुल गांधी की यात्रा दरअसल घुसपैठिया बचाओ यात्रा थी। उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा, "क्या घुसपैठियों को मुफ्त राशन, रोजगार, नौकरी, वोट का अधिकार और 5 लाख तक का मुफ्त इलाज मिलना चाहिए?"

बानू मुश्ताक के दशहरा उद्घाटन वाले मामले में अब होगी सुप्रीम सुनवाई

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कर्नाटक सरकार द्वारा अंतरराष्ट्रीय बुकर पुरस्कार विजेता बानू मुश्ताक को इस साल मैसूर दशहरा का उद्घाटन करने के लिए आमंत्रित किए जाने पर विवाद गहराता जा रहा है। इस मामले को सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के लिए सूचीबद्ध कर लिया है। याचिकाकर्ताओं का कहना है कि गैर–हिंदू को परंपरागत पूजा–अर्चना का अधिकार देना अनुचित है। वहीं, कर्नाटक हाईकोर्ट ने पहले ही इस मामले को खारिज कर दिया था। गुरुवार को मुख्य न्यायाधीश बी.आर. गवई और जस्टिस के विनोद चंद्रन की पीठ ने इस याचिका पर विचार करने के लिए हामी भर दी। याचिकाकर्ताओं ने कहा कि दशहरा 22 सितंबर से शुरू हो रहा है, इसलिए मामले की तुरंत सुनवाई जरूरी है। उनका तर्क है कि एक गैर–हिंदू द्वारा अग्रेश्वरी पूजा करना धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाला है। 15 सितंबर को कर्नाटक हाईकोर्ट ने इस मामले पर दायर चार जनहित याचिकाओं को खारिज कर दिया था। इनमें से एक याचिका भाजपा के पूर्व सांसद प्रताप सिंघा ने दायर की थी।

अदालत ने साफ कहा था कि किसी अलग धर्म के व्यक्ति द्वारा राज्य सरकार की ओर से आयोजित कार्यक्रम का उद्घाटन करना संविधान या किसी कानूनी प्रावधान का उल्लंघन नहीं है। तीन सितंबर को मैसूरु जिला प्रशासन ने औपचारिक रूप से मुश्ताक को उद्घाटन का आमंत्रण दिया था। इसके बाद भाजपा और अन्य विरोधी समूहों ने कड़ा एतराज जताया। उनका कहना है कि मुश्ताक ने पहले भी ऐसे बयान दिए हैं जिन्हें "हिंदू विरोधी" और "कन्नड़ विरोधी" माना गया है। इसी पृष्ठभूमि में इस विवाद ने तूल पकड़ा। मैसूरु दशहरा का उद्घाटन पारंपरिक रूप से चामुंडेश्वरी देवी के मंदिर में पूजा–अर्चना के साथ होता है। देवी की प्रतिमा पर फूल चढ़ाकर और वेद मंत्रों के उच्चारण के बीच राज्यपाल या आमंत्रित विशिष्ट अतिथि उद्घाटन करते हैं। यह परंपरा दशकों से चली आ रही है और इसी वजह से एक गैर–हिंदू को आमंत्रित किए जाने पर सवाल उठाए जा रहे हैं। हाईकोर्ट ने अपने आदेश में कहा था कि उद्घाटन से किसी के संवैधानिक अधिकारों का उल्लंघन नहीं होता।

बाढ़ पीड़ितों के लिए विश्व से फंड जुटाएगी पंजाब सरकार - भगवंत सिंह मान

पंजाब, (एजेंसी)। पंजाब के बाढ़ पीड़ितों के पुनर्वास के प्रयासों को तेज करते हुए पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने शमिशन चढ़दी कलाश की शुरुआत की है। इस मिशन के तहत पंजाब सरकार प्रदेश में बाढ़ प्रभावित लोगों के लिए फंड जुटाने को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अभियान चलाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि बीते समय मैं प्रदेश ने एक ऐसे कठिन दौर से गुजरा है जिसे हमारी पीढ़ियां कभी भूल नहीं सकेंगी। उन्होंने कहा, बाढ़ ने सिर्फ पानी का कहर नहीं ढाया, बल्कि लाखों सपने भी इसके पानी में बह गए। मान ने कहा कि 2300 गांव डूब गए हैं, 20 लाख लोग प्रभावित हुए हैं, पांच लाख एकड़ फसल बर्बाद हो गई है, 56 कीमती जानें चली गईं और 7 लाख लोग बेघर हो गए। पिछली सरकारों पर हमला करते हुए मान ने कहा कि लोग आज भी वह समय याद करते हैं, जब प्राकृतिक आपदाओं में नुकसान झेलने वालों को 26 रुपये या

40 रुपये के चेक दिए जाते थे। उन्होंने कहा कि इतना मामूली मुआवजा जख्मों पर नमक छिड़कने जैसा था। प्रभावित लोगों को दर–दर भटकना पड़ता था, लेकिन उन्हें मुआवजा नहीं मिलता था।" भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और कांग्रेस पर निशाना साधते हुए मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि वे सरकार पर ऐसे आरोप लगा रहे हैं, जैसे बाढ़ भगवंत मान या आम आदमी पार्टी की वजह से आई हो। उन्होंने कहा कि वे हर बात के लिए भगवंत मान को जिम्मेदार ठहराना चाहते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि 3200 स्कूल बर्बाद हो गए, 19 कॉलेज मलबे में बदल गए, 1400 क्लीनिक व अस्पताल खंडहर बन गए हैं, 8500 किलोमीटर सड़कें बदतर स्थिति में पहुंच गई हैं और 2500 पुल ढह गए। उन्होंने कहा कि प्रारंभिक अनुमान के अनुसार 13,800 करोड़ रुपये का घाटा हुआ है जबकि नुकसान इससे कहीं अधिक हो सकता है।

तीनों सेनाओं के तीन साझा सैन्य स्टेशन बनेंगे कोलकाता में कमांडर सम्मेलन में हुआ बड़ा एलान

नई दिल्ली, (एजेंसी)। रक्षा क्षेत्र में बड़ा कदम उठाते हुए देश में सेना, वायुसेना और नौसेना के तीन साझा सैन्य स्टेशन स्थापित करने का फैसला किया गया है। इससे तीनों सेनाओं के बीच बेहतर तालमेल और एकजुटता सुनिश्चित होगी। साथ ही, सैन्य अभियानों के दौरान तालमेल भी बेहतर होगा।कोलकाता में तीनों सेनाओं की संयुक्त कमांडर सम्मेलन में साझा स्टेशनों के गठन का एलान किया गया। सम्मेलन के पहले दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तीनों सेनाओं के बीच बेहतर तालमेल पर जोर दिया था। अभी यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि यह तीन साझा सैन्य स्टेशन कहां होंगे। सूत्रों ने बताया कि इस कदम से संसाधनों के बेहतर उपयोग से आर्थिक संसाधनों की बचत होगी। साथ ही, आधुनिक युद्ध और आपदा राहत जैसे साझा अभियानों को अंजाम देने में तीनों सेनाओं की क्षमता भी बढ़ेगी। सीमाओं की बेहतर ढंग से सुरक्षा सुनिश्चित की जा सकेगी। सम्मेलन में सूचना युद्ध की बढ़ती महत्ता पर गहनता से विचार किया गया, साथ हीसाझा मिलिट्री स्पेस डॉक्ट्रिन भी जारी की गई। सम्मेलन में सीडीएस जनरल अनिल चौहान, तीनों सेना अध्यक्ष और वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। सम्मेलन में सेनाध्यक्षों और वरिष्ठ कमांडरों ने तीनों सेनाओं की शिक्षा शाखाओं के विलय की घोषणा भी की है।

संपादकीय

75वें वर्ष में मोदी

पिछले ग्यारह वर्षों में देश का नेतृत्व करते हुए हासिल उपलब्धियां, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 75वें जन्मदिन की सार्थकता को दर्शाती हैं। ऐसे में यह उनकी महज व्यक्तिगत उपलब्धि न होकर व्यापक राष्ट्रीय सरोकारों से जुड़ती है। गत बुधवार को, उन्होंने इस खास मौके पर स्वदेशी वस्तुओं की खरीद का पुरजोर समर्थन किया। जो तमाम अंतर्राष्ट्रीय दबावों के बीच अपनी अर्थव्यवस्था को संबल देने का सहज–सरल विकल्प भी है। उनका देश के एक सौ चालीस करोड़ देशवासियों से आग्रह रहा है किदृ'आप जो भी खरीदें, वह हमारे देश में बना होना चाहिए।' उन्होंने इस आह्वान को अपने ही अंदाज में कहा कि वह उत्पाद 'किसी भारतीय के पसीने से बना होना चाहिए।' इसमें दो राय नहीं कि उनका 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास', 'आत्मनिर्भर भारत रू विकसित भारत' का आह्वान उनके अल्पकालिक और दीर्घकालिक लक्ष्यों को ही परिभाषित करता है। हाल में किए गए जीएसटी सुधार, आम लोगों के जीवन को बेहतर बनाने के लिये दिशा–निर्देश देना, उनकी आकांक्षाओं को ही उजागर करता है। इसमें दो राय नहीं कि उनकी सरकार द्वारा आरंभ की गई लक्षित कल्याणकारी योजनाओं से विशेष रूप से समाज की अंतिम पंक्ति पर खड़े वंचित समाज के लोगों को लाभ जरूर हुआ है। निर्विवाद रूप से 75वां जन्मदिन मनाते हुए भी वे निरंतर ऊर्जा से भरपूर राजनेता के रूप में नजर आते हैं। उन्होंने देश के सामने आई कठिन चुनौतियों के वक्त जिस दृढ़ता का परिचय दिया, वह आम नागरिक को संबल देने वाला रहा। अब चाहे एक सदी बाद आई कोविड–19 की महामारी हो, भारत–चीन सीमा का गतिरोध हो या उरी–पुलवामा–पहलगाम के आतंकी हमले हों। उन्होंने राष्ट्रीय हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए दृढ़ता ही दिखाई है। जिसकी दुनिया के प्रमुख राजनेताओं ने मुक्त कंठ से प्रशंसा की है। ऐसा इसलिए भी संभव हुआ क्योंकि दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र ने उनके नेतृत्व में विश्वास किया। यही वजह है कि वे विश्व के तमाम मंचों पर 140 करोड़ देशवासियों का संबल मिलने की बात किया करते हैं। सर्वविदित है कि विश्व की महाशक्ति अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जिस आक्रामक ढंग से टैरिफ हमला किया और रूस से कच्चा तेल खरीदना बंद करने के लिये जैसा दबाव बनाया, प्रधानमंत्री की दृढ़ता के चलते ही वह विफल रहा है। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि प्रधानमंत्री राष्ट्रीय हितों के मद्देनजर अपनी बात पर अड़े रहे। उन्होंने दबाव के आगे झुकने से इनकार कर दिया। आज की युद्ध से त्रस्त दुनिया में, उन्होंने महाशक्तियों से दोटूक शब्दों में कहा भी कि यह युद्ध से समस्या समाधान का समय नहीं है। उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय बिरादरी को यह अहसास दिलाया है कि भारत का वैश्विक आचरण वसुधैव कुटुम्बकमद्द यानी विश्व एक परिवार है, के सिद्धांत पर आधारित है। उनकी मजबूत अभिव्यक्ति ने भारत ही नहीं ग्लोबल साउथ के देशों की आवाज को बुलंदी दी है। प्रधानमंत्री ने फिलहाल सेवानिवृत्ति की बहस को विराम देते हुए, तेजी से उभरते इस देश को नये जोश से आगे बढ़ाने के अपने संकल्प को दोहराया है। हालांकि, उनका मानना है कि अभी हमें कुछ बाधाओं को पार करना है। लेकिन यह एक निर्विवाद सत्य है कि भारत की आत्मनिर्भरता और वैश्विक प्रभुत्व की महत्वाकांक्षी यात्रा भारत की मूल भावना यानी शांति, सद्भाव और एकजुटता की भावना पर टिकी है। जिसमें अभिव्यक्ति की आजादी, मीडिया की स्वतंत्रता, समावेशी समाज तथा 'सबका साथ, सबका विकास' के मंत्र का जमीनी हकीकत बनना भी अपरिहार्य है। भारत एक विविध संस्कृतियों और भाषा–धर्म का गुलदस्ता है, जिसकी महक से मजबूत भारत की संकल्पना हकीकत बनती है। जिसका हकीकत बनना उनके संकल्पों पर निर्भर करता है।

बाढ़ प्रभावित पंजाब में ड्रोन की राहतकारी क्षमताएं

मुकेश

पंजाब के लिए बाढ़ हर मानसून में आने वाली चुनौती बनी हुई है। नदियां और नहरें जलमग्न करती हैं, फसलें व परिवार डूब जाते हैं। जब तक अधिकारी पहुंचते हैं नुकसान और बढ़ जाता है। ड्रोन का इस्तेमाल इसमें महत्वपूर्ण बदलाव ला सकता है। अगर सही से तैनात किए जाएं, तो ड्रोन पंजाब के बाढ़ प्रबंधन को प्रतिक्रियात्मक राहत व्यवस्था से सटीक प्रणाली की ओर ले जा सकते हैं यानी नुकसान में कमी, सुधार में तेजी। निम्न–ऊंचाई हवाई सेवा यानि ड्रोन–सर्विस आर्थिकी एक उभरता हुआ पारिस्थितिक तंत्र है जिसमें रसद, सामान, कृषि, निगरानी और स्वास्थ्य सेवा के तौर–तरीके बदलने की क्षमता है, ये सभी हवा में 1,000 मीटर की ऊंचाई तक काम करते सकते हैं। ड्रोन तकनीक में उन्नति और हवाई गतिशीलता में प्रगति से यह प्रणाली कई स्तरों पर फैली हुई है रू तत्काल वस्तु डिलीवरी और शहरी प्रबंधान (0–120 मीटर ऊंचाई), एक्सप्रेस माल ढुलाई (120–300 मीटर), और मानवयुक्त इलेक्ट्रिक वर्टिकल टेक–ऑफ और लैंडिंग (ईवीटोल) विमान (300–1,000 मीटर)। वैश्विक स्तर पर, ड्रोन बाजार 2024 में 73 बिलियन अमेरिकी डॉलर से, लगभग 14 प्रतिशत वार्षिक चक्र वृद्धि दर पाकर, 2030 तक लगभग 164 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। निम्न–ऊंचाई हवाई सेवा क्षेत्र, जो हमारे खेतों और शहरों के ठीक ऊपर का आकाश है, आधुनिक अर्थव्यवस्था की सबसे मूल्यवान अग्रणी प्रणाली में से एक बन गया है। कल्पना कीजिए, ड्रोन बाढ़ग्रस्त फसलों की मैपिंग कर रहे हैं, खेतों में सटीक स्प्रे कर रहे हैं, दवाएं पहुंचा रहे हैं, या ई–एयर टैक्सियों को ट्रैफिक लांघने में सक्षम कर रहे हैं, और ये सभी एआई द्वारा समन्वित हैं। सवाल है, पंजाब अपनी सबसे गंभीर चुनौतियों से निपटने को इस सीमांत क्षेत्र का कैसे उपयोग कर सकता है? वर्ष 1988 के बाद से पंजाब अपनी सबसे भीषण बाढ़ से जूझ रहा है। जिसमें 1,400 से ज्यादा गांव जलमग्न हुए, 37 लोगों की जान गई और करीब 3.75 लाख एकड़ कृषि भूमि जलमग्न हुई है। सभी 23 जिलों के 3.5 लाख से ज्यादा लोग प्रभावित हुए हैं, जिनमें गुरदासपुर, अमृतसर, तरनतारन और होशियारपुर पर असर सबसे ज्यादा रहा। बाढ़ ने घरों और फसलों को तबाह कर दिया, सड़कें टूट गईं जिससे राहत पहुंचाने में मुश्किलें आईं। छोटे किसानों के लिए, यह झटका गंभीर है रू जहां बीज, उर्वरक और ईंधान लागत पुनः मुंह बाए खड़ी है, जबकि आय संभावना खत्म हो गई। राहत का वादा किया है, लेकिन अक्सर यह धीमी व नाकाफी होती है। ड्रोन से मैपिंग और राहत कार्य जीवन रेखा साबित हो सकती

है, जिससे नुकसान का आकलन, पुनरू बुवाई योजना निर्माण व प्रभावी सहायता देने में मदद मिल सकती है। बाढ़ आना पंजाब के लिए निरंतर चुनौती बनी हुई है। लगभग हर मानसून में, उफनती नदियां और किनारे तोड़कर नहरें गांव जलमग्न करती हैं, फसलें और परिवार डूब जाते हैं। यह पारंपरिक जमीनी आकलन की मुश्किलों को और बढ़ा देता हैय जब तक अधिकारी पहुंचते हैं नुकसान और बढ़ चुका होता है। ड्रोन का इस्तेमाल इसमें नाटकीय बदलाव ला सकता है। कुछ ही घंटों में, वे डूबे हुए खेतों, टूटे तटबंधों और क्षतिग्रस्त नहरों का नक्शा पा सकते हैं, राहत दलों का मार्गदर्शन कर सकते हैं और भोजन व दवाइयों के लिए सुरक्षित स्थानों की पहचान कर सकते हैं। वे दिखा सकते हैं कि कौन से खेत कृषि योग्य बचे हैं, विश्वसनीय बीमा प्रमाण तैयार कर सकते हैं और संवारे तटबंधों और जल निकासी नेटवर्क की निगरानी कर सकते हैं। अगर सही से तैनात किए जाएं, तो ड्रोन पंजाब के बाढ़ प्रबंधन को प्रतिक्रियात्मक राहत व्यवस्था से सटीक प्रणाली की ओर ले जा सकते हैं रू नुकसान में कमी, सुधार में तेजी और लचीलापन। भारतभर के उदाहरण इन संभावनाओं को बताते हैं। विजयवाड़ा (2024) में, ड्रोन ने बाढ़ में फंसे 5,000 से ज्यादा लोगों तक प्रति घंटे 200 बार राहत सामग्री पहुंचाई। पंजाब में भी पटियाला में प्राकृतिक जल प्रवाह मैपिंग करने को ड्रोन तैनात किए हैं, जिससे डूबे क्षेत्र का मानचित्रण जारी है, जो बेहतर जल निकासी और बाढ़–रोधी बुनियादी ढांचे का मार्गदर्शन करते हैं। हालांकि, बाढ़ पंजाब के कृषि संकट का केवल एक हिस्सा है। भूजल मे तीव्र गिरावट, रसायनों पर बढ़ती निर्भरता व व्यस्त मौसम में मजदूरों की कमी तो है ही, जलवायु परिवर्तन मौसम को भी अनिश्चित बना रहा है। कृषि आय ठहरी है लेकिन लागत बढ़ती जा रही है। क्या हो यदि समाधान हमारे सिर के ऊपर ही तैर रहे हों? यहीं पर कम ऊंचाई हवाई तंत्र एक बड़ा बदलाव ला सकता है। ड्रोन कीटनाशकों का सटीक स्प्रे करके, रसायनों की बचत और किसानों की सेहत की रक्षा कर सकते हैं। मिट्टी और नमी का मानचित्रण सिंचाई और उर्वरकों के उपयोग में दिशा दे सकता है, जिससे लागत और पानी की बचत होगी। ड्रोन कीटों और पोषक तत्वों की कमी का पता जल्द लगा सकते हैं, और पराली जलाने की समस्या से निबटने में भी मदद कर सकते हैं।

गैर–हिमानी नदियों का संरक्षण रोकेगा तबाही

मोहन

लोग पीने के पानी के लिए पाताल तक खुदाई कर रहे हैं, लेकिन अक्सर निराशा ही हाथ लगती है। समझने की जरूरत है कि धरती की कोख में जल भंडार तभी भरपूर रहता है, जब आस–पास की नदियां हंसती–खेलती, निर्बाध रूप से बहती रहें। देहरादून के निकट जाखन नदी, जो सामान्यतः सूखी और सफेद पत्थरों से भरी रहती है, हाल ही में अत्यधिक वर्षा के कारण उफान पर आ गई। पुलों पर पानी चढ़ गया, आवाजाही ठप हो गई और आसपास के क्षेत्रों में बाढ़ जैसे हालात बन गए। जाखन समेत सौंग और सुसवा जैसी लुप्तप्राय गैर–हिमानी नदियों ने बादल फटने के बाद रौद्र रूप दिखाया। ये घटनाएं जलवायु परिवर्तन और चरम मौसम की ओर इशारा करती हैं। यदि इन नदियों की गाद हटाकर उन्हें पुनर्जीवित किया जाए, तो ये आपदा प्रबंधन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। सफेद पत्थरों की नदी मान कर उपेक्षित ऐसी ही अन्य दस नदियों ने सहस्रधारा में बादल फटने के बाद देहरादून के आसपास अपना रौद्र रूप दिखाया। ये सभी गैर–हिमानी नदियां भले ही छोटी हैं, लेकिन जलवायु परिवर्तन के दौर में चरम मौसम के हालात में जल का अतिरेक सहेजने में बड़ी भूमिका निभा सकती हैं, बशर्ते उनकी कोख में गाद न भरी हो। गंगा–यमुना जैसी विशाल नदियां पहाड़ों के बजाय मैदानी इलाकों के लिए अधिक लाभकारी हैं और उन पर बने बांध भी मैदानों को ही ज्यादा फायदा पहुंचाते हैं। जबकि पहाड़ों की जीवनरेखा बनी छोटी, गैर–हिमानी नदियांकृजो वर्षा जल और भूमिगत जल से पोषित होती हैंकृउपेक्षा की शिकार हैं। ये नदियां न केवल सिंचाई, पेयजल और जलविद्युत उत्पादन के लिए महत्वपूर्ण हैं, बल्कि संवेदनशील पारिस्थितिक तंत्र और अनेक दुर्लभ प्रजातियों का आश्रय भी हैं। नेचुरल रिसोर्स डाटा मैनेजमेंट सिस्टम की रिपोर्ट के अनुसार प्रदेश की तमाम बड़ी नदियों की 332 सहायक नदियां सूखकर बरसाती नदियों में तब्दील हो चुकी हैं। कोसी नदी को जोड़ने वाले 36 गाड़–गधेरे सूख गए हैं। वहीं कोसी की सहायक नदियां अपनी अंतिम सांसें गिन रही हैं। उत्तराखंड के लगभग 68 फीसदी भूभाग को गैर–हिमानी नदियों और हजारों सरिताओं (धारे, गाड़–गधेरों) से पानी मिलता है। कोसी, गगास, गोमती, रामगंगा के उद्गम धारापानी धार से निकलने वाली 11 सहायक नदियां धीरे–धीरे सिकुड़ रही हैं। इसी तरह पश्चिमी राम गंगा नदी में 134 छोटे गाड़–गधेरे व नदियां सूख चुकी हैं। हम भूल जाते हैं कि हर नदी की याददाश्त समान ही होती है। उसके जल–वहन और जल–ग्रहण क्षेत्र में कुछ दिन पानी न आने पर समाज उसकी उपेक्षा भले ही करे लेकिन साल–दशकों में ये नदियां अपनी उपस्थिति दर्ज करवा देती हैं। ऐसे में छोटी नदियों पर ध्यान देना और भी अधिक जरूरी है। आज गंगा, यमुना जैसी बड़ी नदियों को स्वच्छ रखने के लिए प्रयास हो रहे हैं, परंतु छोटी नदियों के प्रति हमारा दृष्टिकोण अब भी उपेक्षापूर्ण है। वास्तव में, बड़ी नदियां इसलिए अस्तित्व में हैं क्योंकि उनमें अनेक छोटी नदियां आकर मिलती हैं। यदि इन छोटी नदियों में पानी की कमी होगी या वे प्रदूषित होंगी, तो उसका सीधा प्रभाव बड़ी नदियों पर पड़ेगा। इसलिए, बड़ी नदियों को स्वस्थ और स्वच्छ बनाए रखने के लिए छोटी नदियों का संरक्षण और पुनर्जीवन अत्यंत आवश्यक है। छोटी नदियां अक्सर गांव, कस्बों में बहुत कम दूरी में बहती हैं। लोक समाज और प्राचीन मान्यता नदियों और जल को लेकर बहुत अलग थीं, बड़ी नदियों से दूर घर–बस्ती हो। बड़ी नदी को अविरल बहने दिया जाए। अब यदि बड़ी नदी अविरल बहती रहेगी तो छोटी नदी या तालाब में जल बना रहेगा,। यदि तालाब और छोटी नदी में पर्याप्त जल है तो घर के कुएं में कभी जल की कमी नहीं होगी। आज देश में ऐसी लगभग 12 हजार छोटी नदियां हैं, जो उपेक्षा का शिकार हैं। नदियों के इस तरह रूठने और उसके परिणामस्वरूप बाढ़ और सूखे का दर्द साथ–साथ चलने लगा हैकृयह कहानी अब देश के हर जिले और कस्बे की बन चुकी है। लोग पीने के पानी के लिए पाताल तक खुदाई कर रहे हैं, लेकिन अक्सर निराशा ही हाथ लगती है। समझने की जरूरत है कि धरती की कोख में जल भंडार तभी भरपूर रहता है,।

संक्षिप्त खबरें

आंखों के सामने गला दबोच बेटी को उठा ले गया बाघ

लखनऊ, (संवाददाता)। यूपी के सीतापुर में बृहस्पतिवार को बाघ एक युवती को उठा ले गया। मां पास में खड़ी देखती रही। उसने हर संभव बचाने का उपाय किया, लेकिन, असफल रही। शोर सुनकर ग्रामीणों की भीड़ लग गई। सूचना पर पहुंची वन विभाग की टीम तलाश में जुटी है। घटना मछरेहटा थाना क्षेत्र के राठौरपुर गांव की है। गांव निवासी कामिनी (18) अपनी मां प्रेमा के साथ सुबह करीब 6 बजे नित्यक्रिया के लिए गई थी। प्रेमा ने बताया कि जैसे ही वह खेतों की ओर पहुंची, वहां बाघ आ गया। उसे देखकर वह दोनों डर गईं। वहां से भाग पाती, इससे पहले बाघ ने कामिनी को गर्दन से दबोच लिया। उन्होंने छुड़वाने का प्रयास किया लेकिन, बाघ बेटी को उठा ले गया। चीख पुकार सुनकर मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने आसपास जंगल और खेतों पर काफी तलाश किया, लेकिन कामिनी नहीं मिली। एक जगह उसकी चप्पलें पड़ी मिली हैं। ग्रामीणों ने इसकी सूचना वन विभाग की टीम को सूचना दी। सूचना पर पहुंची वन विभाग की टीम आसपास सर्च कर रही हैं। पंजों के निशान की दिशा में टीम आगे बढ़ रही है। मां प्रेमा ने बताया कि नवंबर महीने में कामिनी का विवाह होना था। घर में उसकी शादी की तैयारियां चल रही थीं। लेकिन, आज अचानक ऐसा हो गया, इसकी किसी को उम्मीद नहीं थी।

गिरफ्तारी के डर से अवसाद में चल रहे वैन चालक ने दी जान

लखनऊ, (संवाददाता)। हरबंशखेड़ा गांव के वैन चालक भारतलाल गुप्ता (52) ने बुधवार को मस्तीपुर गांव के पास ट्रेन के आगे कूदकर आत्महत्या कर ली। परिजनों का आरोप है कि पुराने मुकदमे में गिरफ्तारी के डर से वह मानसिक रूप से बहुत परेशान थे। वहीं पुलिस सूत्रों का कहना है कि पारिवारिक विवाद से भी वह परेशान थे। शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। भारतलाल गुप्ता बीते कई वर्षों से वैन चलाकर परिवार का भरण–पोषण कर रहे थे। वर्ष 2005 में उनकी गाड़ी से मोहनलालगंज के गौरा गांव में सड़क हादसा हुआ था। इसमें एक बच्चे की मौत हो गई थी। इस मामले का कोर्ट में मुकदमा चल रहा था। पत्नी गायत्री के अनुसार बीते रविवार को मोहनलालगंज पुलिस कोर्ट से जारी वारंट लेकर भारतलाल को गिरफ्तार करने घर पहुंची थी। वह कपड़े पहनने का बहाना कर पिछले दरवाजे से निकलकर भाग गए थे। परिजनों का आरोप है कि इसके बाद से ही भारतलाल काफी तनाव में थे। सुबह निकले, कुछ देर बाद मिली मौत की खबर रू बुधवार सुबह करीब सात बजे भारतलाल मुकदमे के संबंध में वकील से मिलने की बात कहकर घर से निकले थे और कुछ देर बाद सूचना मिली कि उनका शव मस्तीपुर गांव के बाहर स्थित रेलवे ट्रैक पर पड़ा है। शव मिलने की सूचना पर जीआरपी व निगोहां पुलिस मौके पर पहुंची थी। भारतलाल अपने पीछे पत्नी गायत्री के अलावा तीन बेटे ऋषभ, आयुष, आदित्य और एक बेटी सपना को छोड़ गए हैं। बड़ा बेटा ऋषभ निजी कंपनी में नौकरी करता है। मंझला बेटा आयुष ऑटो चलाता है।

पेयजल आपूर्ति के लिए 50 नए टैंकरों का लोकार्पण

लखनऊ, (संवाददाता)। विश्वकर्मा जयंती के अवसर पर बुधवार को जलकल विभाग में पानी के 50 टैंकरों का लोकार्पण किया हुआ। स्टेनलेस स्टील के इन टैंकरों का इस्तेमाल शहर में जलापूर्ति के लिए किया जाएगा। 25 टैंकर तीन हजार और बाकी पांच हजार लीटर की क्षमता के हैं। जलकल विभाग के मुख्यालय में हुई विशेष पूजा में महापौर सुषमा खर्कवाल और राज्यसभा सदस्य डॉ. दिनेश शर्मा शामिल हुए। महापौर ने नए टैंकरों का भी पूजन किया। जलकल महाप्रबंधक कुलदीप सिंह ने बताया कि जलकल के पास अभी लोहे के 30 टैंकर हैं, जो पुराने हो गए हैं। नए टैंकरों से जलापूर्ति बेहतर हो सकेगी। मौके पर अधिशासी अभियंता जलकल सचिव यादव, पार्षद संदीप शर्मा, गिरीश गुप्ता, पूर्व पार्षद साकेत शर्मा भी थे।

पुराने इलाकों में भरा पानी, बंद करनी पड़ी बिजली

लखनऊ, (संवाददाता)। बुधवार को हुई बारिश से नादान महल, विक्टोरिया और अमीनाबाद उपकेंद्र के पुराने इलाकों में पानी इस कदर भर गया कि एहतियातन बिजली सप्लाई बंद करनी पड़ी। चौक के एक्सईएन रमन के अनुसार कश्मीरी मोहल्ला और आसपास के इलाकों की सड़कें व गलियां पानी से लबालब हो गईं। ट्रांसफार्मर पेटियों तक पानी पहुंचने से पहले ही मोहल्लेवालों ने उपकेंद्रों को सूचना देकर बड़ा हादसा टाल दिया। जलनिकासी की व्यवस्था दुरुस्त न होने से हर बारिश में पुराने लखनऊ में भारी जलभराव होता है। इस बार भी करीब एक घंटे तक 1,000 से ज्यादा घरों और दुकानों की सप्लाई ठप रही। अधिशासी अभियंता सुशील कुमार ने बताया कि एलटी लाइन की पेटियां जमीन में होने के कारण बिजली तब तक बंद रखी गई, जब तक पानी पूरी तरह निकल नहीं गया। गोमतीनगर विस्तार के खरगापुर स्थित कौशलपुरी में बारिश के दौरान खंभे में उतरे करंट से एक गाय की मौत हो गई। गलियों में भरे पानी से गुजरते समय पोल से उतरा करंट पानी में फैल गया ।

असलहे के बल पर किसान के घर डकैती, बेटे को किया लहूलुहान

लखनऊ, (संवाददाता)। काकोरी के सकरा गांव में मंगलवार रात ई ऑटो सवार बदमाशों ने किसान केशन गौतम के घर असलहे के बल पर डकैती डाली। विरोध पर उनके बेटे सूरज पर धारदार हथियार से हमला कर दिया। बदमाशों ने किसान की पत्नी व बेटी के साथ मारपीट भी की। डकैत उनके घर से सिर्फ दो मोबाइल फोन ही ले जा सके। भागते हुए बदमाशों ने गांव के तीन घरों में चोरी की। इस बीच शोर होने पर ग्रामीणों ने भाग रहे सात बदमाशों को पकड़ लिया। बाद में पहुंची पुलिस सभी को पकड़ कर थाने ले गई। अब पुलिस पूरी घटना को दबाने में लगी है। किसान के घर डकैती को चोरी बता रही है। सकरा गांव निवासी किसान केशन गौतम के मुताबिक बेटा सूरज (20) ई रिक्शा चलाता है। घर में पत्नी राधा, बेटी सरिता, बेटा शिवनंदन व दीपक था। मंगलवार की रात सभी खाना खाने के बाद अपने कमरों में सो गए थे। रात करीब एक बजे कुछ बदमाश मेन गेट की दीवार फांद कर घर में घुसे और लाइट बंद कर दी। वहीं तीन बदमाश घर के बाहर खड़े थे। बदमाशों ने टिनशेड के नीचे सो रहे केशन गौतम का मुंह दबा दिया और गाली

देते हुए सीने पर तमंचा तान दिया। आहट सुनकर बरामदे में सो रहा बेटा सूरज जग गया और पिता को बदमाशों की गिरफ्त में देखकर चीखने–चिल्लाने लगा। शोर होने पर घर के अन्य लोग भी जग गए। बदमाशों ने सूरज के सिर पर धारदार हथियार से कई वार कर दिए, जिससे वह लहूलुहान हो गए। अंदर कमरे में सो रहे दूसरे बेटे दीपक को अंदर ही बंद कर दिया। घर में कुछ न मिलने पर सूरज व पिता केशन का मोबाइल लूट लिया। वहीं सरिता व राधा से मारपीट कर सभी बदमाश भाग निकले। पकड़े गए बदमाशों से जब पुलिस ने पूछताछ की तो उन लोगों ने बताया कि वे दुबग्गा सब्जी मंडी दुबग्गा जा रहे हैं। पुलिस ने जब ऑटो की तलाशी ली तो उसके अंदर से चाकू, लोहे के रॉड, धारदार हथियार, टॉर्च और लूट के मोबाइल व कुछ रुपये मिले।

युवाओं के जोश के आगे बारिश बेदम

लखनऊ, (संवाददाता)। कॉल्विन तालुकेदार्स कॉलेज में आयोजित दो दिवसीय लखनऊ कौशल महोत्सव के आखिरी दिन तेज बारिश भी युवाओं का हौसला नहीं तोड़ सकी। प्लेसमेंट काउंटर नौजवानों से भरा रहा। बुधवार को करीब छह हजार युवाओं ने साक्षात्कार दिया, जिनमें से 4624 को रोजगार मिला। मंगलवार को चयनितों का आंकड़ा 3500 था। केंद्रीय राज्य मंत्री जयंत चौधरी की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार, कौशल महोत्सव के लिए 30,387 युवाओं ने ऑनलाइन व ऑफलाइन माध्यम से पंजीकरण कराया। इनमें से 14,400 से अधिक ने साक्षात्कार दिया। अनुभव और शैक्षिक योग्यता के आधार पर पर 8124 युवाओं को कंपनियों में चयनित किया गया। जयंत चौधरी ने बताया कि युवाओं को इलेक्ट्रॉनिक, बीएफएसआई, लॉजिस्टिक्स, आईटी व ऑटोमोटिव जैसे क्षेत्रों में नौकरी दी गई। कई युवाओं को सालाना करीब पांच लाख रुपये तक का पैकेज मिला है। चौधरी ने कहा कि यह सिर्फ एक आंकड़ा नहीं, बल्कि इसका प्रमाण है कि सही मार्गदर्शन और प्लेटफॉर्म मिलने पर भारत का युवा किसी भी क्षेत्र में पहचान बना सकता है। कौशल महोत्सव का समापन कार्यक्रम भारी बारिश की वजह से स्थगित कर दिया गया। केंद्रीय राज्यमंत्री जयंत चौधरी से आधिकारिक एक्स एकाउंट से इसकी जानकारी दी। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को शामिल होना था। इसके साथ ही दोनों उपमुख्यमंत्री व भाजपा के अन्य वरिष्ठ नेताओं के माध्यम से चयनित युवाओं को नियुक्ति पत्र दिए जाने थे। कार्यक्रम में शामिल होने के लिए जयंत चौधरी लखनऊ पहुंच चुके थे। उन्होंने एक्स पर लिखा कि भारी बारिश के कारण कौशल महोत्सव का समापन समारोह स्थगित करना पड़ा। यह वह क्षण था जब चुनिंदा युवाओं को नियुक्ति प्रमाणपत्र दिए जाने थे, लेकिन प्राकृतिक परिस्थितियों के आगे यह निर्णय लेना पड़ा। फिर भी इस महोत्सव ने जो ऊर्जा और उपलब्धियां दी हैं, वे ऐतिहासिक हैं। कार्यक्रम के मुख्य आयोजक व भाजपा नेता नीरज सिंह ने एक्स के माध्यम से बताया कि बारिश के कारण हमें नियुक्ति पत्र सम्मान समारोह रद्द करना पड़ा। कार्यक्रम में प्रतिभागी युवाओं ने यह साबित कर दिया कि भारत का युवा हर क्षेत्र में पहचान बना सकता है। बुधवार को तेज बारिश से कौशल महोत्सव के पंडाल में चारों तरफ पानी भर गया। सुबह से कार्यक्रम की तैयारियां हो रही थीं। मुख्य पंडाल में चयनित युवाओं के लिए कुर्सियां लगाई गई थीं, लेकिन दोपहर दो बजे के बाद हुई तेज बारिश से सारे इंतजाम धरे के धरे रह गए। कौशल महोत्सव में साक्षात्कार के बाद शॉर्टलिस्ट किए गए अभ्यर्थियों के लिए हेल्पलाइन नंबर जारी किया गया है।

दूसरों की सेवा कर मनाया पीएम का जन्मदिन

लखनऊ, (संवाददाता)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 75वें जन्मदिन का जश्न राजधानी में सेवा दिवस के रूप में मनाया। किसी ने सड़कों की

सफाई की तो किसी ने पौधे लगाकर पर्यावरण को बचाने का संदेश दिया। इस दिन को खास बनाने के लिए लोग रक्तदान के लिए भी आगे आए। इसके अलावा बुजुर्गों को फल–मिष्ठान भी बांटे गए। विभिन्न संगठनों ने स्वदेशी को अपनाने का आह्वान भी किया। कॉलेज व विश्वविद्यालयों में भी कार्यक्रमों का आयोजन कर युवाओं से पर्यावरण को बचाने की अपील करते हुए पौधारोपण किया गया।इसके साथ ही सभी को स्वच्छता को अपनाने का संदेश दिया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 75वें जन्मदिन पर बुधवार को नगर निगम ने स्वच्छता पखवाड़े की शुरुआत की। दो अक्तूबर तक चलने वाले आयोजन का शुभारंभ महापौर सुषमा खर्कवाल ने हजरतगंज से किया। इस मौके पर जिले के प्रभारी मंत्री सुरेश खन्ना भी मौजूद रहे। स्वच्छता पखवाड़े के तहत हजरतगंज स्थित राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा की सफाई व धुलाई की गई। इसके बाद सरदार वल्लभ भाई पटेल और बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर की प्रतिमाओं को भी साफ कर माल्यार्पण किया गया। मंत्री सुरेश खन्ना और महापौर सुषमा खर्कवाल ने खुद झाड़ू लगाकर लोगों को स्वच्छता का संदेश दिया। कार्यक्रम में नगर आयुक्त गौरव कुमार व अन्य अधिकारी मौजूद रहे। महापौर सुषमा खर्कवाल ने कहा कि शहर में नमो पार्क भी बनाया जाएगा।

संक्षिप्त खबरें

एसआरएन में ड्यूटी के दौरान स्टॉफ नर्स की मौत

भदोही, (संवाददाता)। एसआरएन अस्पताल में मंगलवार देर रात ड्यूटी के दौरान स्टाफ नर्स शिव दुलारी (30) की मौत हो गई। वह कई दिनों से बुखार से पीड़ित थी। घटना वाली रात तेज बुखार होने पर एक नर्स ने इंजेक्शन लगाया था। इसके कुछ देर बाद शिव दुलारी की मौत हो गई। वहीं, परिजनों ने गलत इंजेक्शन लगाने और उनसे बदसलूकी करने का आरोप लगाते हुए हंगामा किया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत का कारण स्पष्ट नहीं होने पर विसरा सुरक्षित रखा गया है। भदोही के सुरियावां थाना क्षेत्र के बीरमपुर निवासी शिव दुलारी एसआरएन अस्पताल में बतौर स्टॉफ नर्स थी। वह तीन वर्षों से दो बेटियों के साथ अस्पताल परिसर के कॉलोनी में रहती थी। भदोही के डीघ प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में तैनात पति सुनील कुमार ने बताया कि मंगलवार को वह पत्नी और बच्चों से मिलने आए थे। शिव दुलारी को तीन दिनों से बुखार था। वह दवा खाकर ड्यूटी कर रही थी। रात करीब 10रू30 बजे अस्पताल से फोन आया कि शिव दुलारी को तबीयत खराब है। सूचना पर वह कॉलोनी से अस्पताल पहुंचे। जहां स्टॉफ के लोग पत्नी का इलाज कर रहे थे। उनके सामने इंजेक्शन लगाया गया। इसके कुछ ही देर बाद शिव दुलारी की सांसें थम गईं। सूचना पर पहुंची एसआरएन चौकी की पुलिस ने परिजनों को शांत कराकर शव को पोस्टमार्टम हाउस भिजवाया। बुधवार को डॉक्टरों के पैनल में शव का पोस्टमार्टम किया। नाराज सहकर्मियों ने काम के अतिरिक्त दबाव को भी एक कारण बताया।

भदोही में स्कूल वैन पलटने से 12 बच्चे घायल

भदोही, (संवाददाता)। मोंढ चौकी क्षेत्र के मकनपुर गांव में मंगलवार को एक बड़ा हादसा होते–होते टल गया। शिव मूर्ति सरस्वती शिक्षा मंदिर की स्कूली वैन, जो बच्चों को लेकर जा रही थी, जैसे ही मकनपुर मोड़ पर पहुंची, अचानक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खेत में पलट गई। इस दुर्घटना में वैन में सवार 12 बच्चे घायल हो गए, जिनमें से दो की हालत गंभीर बताई जा रही है। घटना के बाद मौके पर चीख–पुकार मच गई। ग्रामीण तुरंत दौड़कर पहुंचे और बच्चों को वाहन से बाहर निकाला। घायल बच्चों में अंकुश (11), अनुज (10), सत्यम (8) और दिव्यांश (4) शामिल हैं। इनमें से दिव्यांश की हालत नाजुक होने पर उसे तुरंत भदोही के अनंत हॉस्पिटल रेफर किया गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, वैन का चालक शराब के नशे में था। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि चालक नशे में स्कूल वैन चला रहा था। कई बार वाहन हादसा होते–होते बचा है। उन्होंने बताया कि हादसे के तुरंत बाद चालक मौके से फरार हो गया, जबकि मासूम बच्चे खून से लथपथ तड़पते रहे। ग्रामीणों ने स्कूल प्रबंधन और प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा कि आए दिन इसी वाहन को तेज रफ्तार और नशे की हालत में चलाया जाता है।

लखनऊ, बरेली व दिल्ली जाने वाली ट्रेनों का समय बदलने की मांग

पीलीभीत, (संवाददाता)। ऑल इंडिया स्वर्णकार समाज एसोसिएशन के व्यापारियों ने केंद्रीय रेल मंत्री और स्थानीय सांसद व केंद्रीय राज्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन एसडीएम को सौंपा है। इसके जरिये लखनऊ, पूरनपुर, मैलानी, बरेली व दिल्ली जाने वाली ट्रेनों का संचालन व वर्तमान में संचालित की जा रहीं ट्रेनों का समय व्यवस्थित कराने की मांग की गई है। ज्ञापन के माध्यम से कहा गया है कि रेल गाड़ियों का पर्याप्त व व्यवस्थित संचालन नहीं होने के कारण लोगों को असुविधा होती है। व्यापारी समेत कई लोग इससे प्रभावित है। व्यापार पर भी प्रतिकूल असर पड़ता है। रेलवे के अमान परिवर्तन के बाद जो रेल गाड़ियां संचालित की जा रही हैं, उनका समय सुविधाजनक नहीं है। इसको बदलवाने की मांग है। अमान परिवर्तन से पहले रूट पर 11 जोड़ी ट्रेनें पूरनपुर से होकर जाती थीं। वर्ष 2018 से 2024 तक अमान परिवर्तन के कारण रेल यात्रा से लोगों को वंचित रहना पड़ा। ज्ञापन में लखनऊ, बरेली, दिल्ली आदि शहरों के लिए रेलगाड़ियां संचालित करवाने की मांग की गई है। ज्ञापन देने वालों में स्वर्णकार समाज के नगर अध्यक्ष नितिन वर्मा, राजकुमार वर्मा, लालता प्रसाद, सागर वर्मा, दिनेश वर्मा, सुनील वर्मा, सर्वेश वर्मा, अनिल आदि शामिल रहे।

ऑपरेशन के बाद प्रसूता की हालत बिगड़ी, मौत

पीलीभीत, (संवाददाता)। प्रसव पीड़ा के चलते बिजलीघर रोड पर निजी अस्पताल में भर्ती कराई गई प्रसूता की ऑपरेशन के बाद हालत खराब हो गई। आनन–फानन में प्रसूता को बरेली ले जाने की सलाह देकर रेफर कर दिया गया। इस बीच प्रसूता की मौत हो गई। सूचना पर प्रभारी चिकित्साधिकारी के टीम के साथ पहुंचने की भनक पर चिकित्सक अस्पताल से खिसक गया। प्रभारी चिकित्साधिकारी ने अस्पताल की ओटी सील कर दो दिन के अंदर स्पष्टीकरण तलब किया है। कार्रवाई के बाद प्रभारी चिकित्साधिकारी डॉ. मनीष राज शर्मा ने बताया कि मोहल्ला चौक के वार्ड संख्या 14 के नसीम की पत्नी तबस्सुम (35) को मंगलवार शाम को प्रसव पीड़ा के चलते एसके मजहर अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

आबकारी सिपाहियों पर बीच सड़क पर पीटा था पुलिस ने किया ऐसा हश्र

आगरा, (संवाददाता)। आगरा के एत्मादपुर में एक सप्ताह पूर्व कस्बा में अंग्रेजी शराब ठेका के पास पकौड़े की दुकान पर शराब पी रहे युवकों

को मना करने पर आबकारी सिपाहियों के साथ हुई अभद्रता व मारपीट के मामले में वांछित चल रहे एक आरोपी को पुलिस ने मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार कर लिया। आरोपी पैर में गोली लगने से घायल हो गया। उसके पास से तमंचा, एक कारतूस व एक खोखे बरामद किया। 11 सितंबर को हाईवे स्थित जैन मंदिर के सामने सर्विस रोड पर शराब के ठेका के बराबर से पकौड़े की दुकान पर शराब पी रहे युवकों को आबकारी सिपाहियों द्वारा मना करने पर दुकान मालिक व अन्य युवकों ने सिपाहियों के साथ अभद्रता करते हुए मारपीट की थी, जिसमे सिपाही अमित कुमार व राजकमल घायल हो गए थे। सिपाही अमित की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस ने वीडियो के आधार पर आरोपियों को चिन्हित किया था। पुलिस ने पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। वही इंस्पेक्टर ने बताया कि आबकारी सिपाहियों से मारपीट के मामले में बुधवार रात्रि को वांछित चल रहे सोनू उर्फ अब्दुल निवासी जैन मंदिर के पीछे नहर कोठी को बुढ़िया के ताल के पास ईदगाह के पास मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार कर लिया, मुठभेड़ में सोनू के दाहिने पैर में गोली लगने से घायल हो गया। जिसे उपचार के लिए आगरा भेज दिया। आरोपी के पास से एक तमंचा, एक कारतूस, एक खोखा व 200 रुपये नगद बरामद किए गए।

नकली दवा का करोड़ों रुपये का कारोबार, कंप्यूटर से खुला राज

आगरा, (संवाददाता)। दवा माफिया ने बिना बिल के भी करोड़ों रुपयों की दवाएं बाजार में खपाई हैं। छापे में जब्त किए कंप्यूटर की जांच करने के बाद अभी 5 जिलों की 40 संदिग्ध फर्म मिली हैं। इन सभी के नाम संबंधित जिलों के औषधि निरीक्षकों को भेजकर जांच के निर्देश दिए हैं। अधिकारी दवाओं की खरीद–फरोख्त का विवरण जुटाते हुए जांच कर रहे हैं। सहायक आयुक्त औषधि अतुल उपाध्याय ने बताया कि बंसल मेडिकल एजेंसी, राधे मेडिकल एजेंसी, हे मां मेडिकोज, एमएसवी मेडी पॉइंट और ताज मेडिको की अभी तक की जांच करने पर आगरा, बरेली, मुजफ्फर नगर, अलीगढ़ में बिना बिल के भी नकली दवाएं बेची हैं। इनमें कई फर्म मिली हैं। इन सभी जिलों के औषधि निरीक्षकों को सूची भेजकर जांच कराने के लिए कहा है। इसके साथ ही सभी प्रदेश में आगरा में जब्त की गईं नकली दवाओं के बैच नंबर, कंपनी का नाम समेत अन्य जानकारी भेजी हैं। इससे किसी भी

विक्रेता ने इनसे इस बैच की दवाएं खरीदी हैं तो वे संबंधित जिलों के साथ आगरा मंडल में भी इसकी जानकारी देने के लिए कहा है। दो कंपनियों ने जब्त दवाओं को बताया नकली सहायक आयुक्त औषधि ने बताया कि पांच नामी कंपनियों के नाम से नकली दवाएं बनाने की शिकायत पर छापा मारा था। इसमें आगरा में ही चार फर्म से करीब 71 करोड़ रुपये की दवाएं जब्त की हैं। इनके यहां से मिली दवाओं का विवरण संबंधित कंपनी को भी भेज दिया है। इनमें से दो ने अपने यहां जांच कर इनको नकली भी बताया है, बाकी की रिपोर्ट आना बाकी है। इसके अलावा विभाग भी 24 नमूनों की जांच करा रहा है।

गुंडाराज हुआ खत्म, व्यापारियों को मिल रही पूरी सुरक्षा : जयवीर सिंह

आगरा, (संवाददाता)। उन्होंने कहा कि सूक्ष्म लघु उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए जो सुझाव क्यू आर कोड को

स्कैन करके दिए जा रहे हैं। वह सबसे ज्यादा फिरोजाबाद से गये हैं। इसका मतलब है कि फिरोजाबाद उत्तर प्रदेश को विकसित प्रदेश बनाने में अपनी अहम भूमिका निभा रहा है। इसके लिए जनपद फिरोजाबाद के कारोबारियों एवं इस सपने को राष्टीय स्तर तक साकार बनाने के लिए अमर उजाला परिवार को बहुत बहुत शुभकामनाएं देता हूं। पर्यटन मंत्री ने भाजपा सरकार की उपलब्धियों पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार में अब लालफीताशाही समाप्त करने का काम किया गया है। मझले उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए एनओसी समेत अन्य कार्रवाई में साथ दे रही है। बैंकिंग सेक्टर आपके साथ है। इंस्पेक्टर राज खत्म किया जा रहा है। कारोबारियों को बढ़ावा ओर सुरक्षित माहौल देने का काम किया है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2047 तक विकसित उत्तर प्रदेश को बनाने का काम कारोबारियों से सुझाव लेकर भाजपा सरकार ने किया है। फिरोजाबाद की उपायुक्त उद्योग संध्या यादव ने कहा कि एमएसएमई इंडस्ट्री को बेहतर सुविधाओं से जुड़े प्लेटफॉर्म उपलब्ध करवा रहे हैं। लघु उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए काम किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारे यहां आलू अधिक पैदा होता है। फूड पॉलिसी में हम जाएंगे तो 35 प्रतिशत सब्सिडी मिलती है। हमारे पोर्टल पर जाकर आप इस सुविधा का लाभ ले सकते हैं। नगर निगम क्षेत्र की समस्याओं को लेकर अपर नगर आयुक्त निहाल सिंह ने कहा कि निगम क्षेत्र में जो भी समस्याएं हैं।

संक्षिप्त खबरें

छह माह से क्षतिग्रस्त पुलिया की हुई मरम्मत

बांदा, (संवाददाता)। शिवपुरी वार्ड में गौरा बाबा मंदिर मार्ग पर बीते छह माह से टूटी पड़ी पुलिया की मरम्मत शुरू कर दी गई है। इस मार्ग से रोजाना स्कूल–कॉलेज के छात्र–छात्राएं और श्रद्धालु आवागमन करते हैं। टूटी पुलिया के कारण राहगीरों को हादसे का खतरा बना रहता था। बीते दिनों अमर उजाला ने टूटी पुलिया से हादसे का खतरा शीर्षक से समस्या को प्रमुखता से प्रकाशित किया। इसके बाद नगर पालिका के जिम्मेदारों की नींद टूटी और उन्हें आला अधिकारियों की फटकार भी सुननी पड़ी। बुधवार को पालिका ने कर्मचारियों की टीम भेजकर पुलिया की मरम्मत का कार्य कराया। स्थानीय शिवदत्त त्रिपाठी, राजेन्द्र शर्मा, अशोक अग्रवाल, विनीता द्विवेदी आदि ने राहत की सांस लेते हुए कहा कि जन समस्याओं को अखबार के जरिए अधिकारियों तक पहुंचाने के बदौलत ही उनकी महीनों पुरानी समस्या का समाधान हो सका है।

मोदी से भारत की विरासत को नई पहचान मिली : नंदी

बांदा, (संवाददाता)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 11 साल के कार्यकाल में जो किया उसका पूरी दुनिया लोहा मानती है। आतंक के आकाओं को उनके घर में घुसकर मारा। यह बात जिले के प्रभारी मंत्री नंद गोपाल नंदी ने प्रधानमंत्री के जन्म दिवस (सेवा पखवाड़ा) के पहले दिन जिला अस्पताल में आयोजित रक्तदान शिविर में कही। कहा कि पीएम ने स्वाभिमान की भावना को जाग्रत करने का काम किया है। भारत कि विरासत को नई पहचान व नई रफ्तार मिली है। बुंदेलखंड को पहली बार औद्योगिक क्षेत्र बनाया गया है। कहा कि भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था में शामिल है जो कि पीएम की मेहनत का परिणाम है। प्रधानमंत्री सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास को लेकर काम कर रहे हैं। शिवमंदिर में आयोजित रुद्राभिषेक व अखंड पाठ कार्यक्रम में भाग लेते हुए महाराणा प्रताप चौक में श्रमदान कर स्वच्छता का संदेश दिया। इस मौके पर जिलाध्यक्ष कल्लू सिंह राजपूत, नगर पालिकाध्यक्ष मालती बासू, ममता मिश्रा, वंदना गुप्ता मौजूद रहीं।

कबड्डी में भभुवा टीम ने बिसंडा को हराया

बांदा, (संवाददाता)। बीरा गांव स्थित जय दुर्गे इंटर कॉलेज में बुधवार को 69वीं विद्यालयीय क्षेत्रीय कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। इसमें विभिन्न आयुवर्ग के बच्चों ने अपने कौशल का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता की शुरुआत ब्लॉक प्रमुख रावेंद्र कुमार गर्ग ने कराई। इसमें बबेरू, बेरांव, बिसंडा, भभुआ, मुरवल, बीरा आदि गांवों की टीमों ने सब जूनियर, जूनियर तथा सीनियर वर्ग में प्रतिभाग किया। सीनियर वर्ग में भभुवा के छात्रों ने बिसंडा को 27–11 से हराया। जूनियर वर्ग बालक में बीरा ने बेरांव को 30–15 से पराजित किया। वहीं सब जूनियर वर्ग बालक में बबेरू ने बीरा को 23–21 के अंतर से हराया। विजयी टीमों के खिलाड़ियों को प्रधानाचार्य नागेंद्र द्विवेदी ने स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया। इस दौरान धर्मपाल सिंह, विनय सिंह, विवेक कुमार, राजेंद्र यादव, कृष्णदेव भारतीय, सुमित मलिक, जीतेंद्र यादव, शिवाकांत सहित अन्य खेल शिक्षक व बड़ी संख्या में दर्शक मौजूद रहे।

300 स्थानों पर विराजेंगी जगदंबे, बन रहे वाटर प्रूफ पंडाल

बांदा, (संवाददाता)। अबकी बार 10 दिन की नवरात्र महोत्सव बहुत ही शुभ फलदायी हैं। शारदीय नवरात्र महोत्सव की तैयारियों को लेकर केंद्रीय दुर्गा महोत्सव समिति ने खाका खींच लिया। समिति के अध्यक्ष अमित सेठ भोलू का दावा है कि इस बार शहर में 300 स्थानों पर जगत माता की प्रतिमाओं की स्थापना होगी। पिछली बार 260 स्थानों पर दुर्गा प्रतिमाएं स्थापित की गईं थीं लेकिन अब की बार 40 दुर्गा पंडालों की संख्या में इजाफा हुआ है। केंद्रीय नव दुर्गा समिति अध्यक्ष ने बताया कि सितंबर माह में बारिश हो रही है। लगातार बदल रहे मौसम के मिजाज को ध्यान में रखते हुए सभी दुर्गा पंडाल सजाने वाले देवी भक्तों को हिदायत दी गई है कि वाटर प्रूफ पंडाल बनाएं, ताकि नवरात्र महोत्सव के दौरान होने वाली बारिश से किसी भी प्रकार की अव्यवस्था न हो। शहर के महेश्वरी देवी मंदिर के समीप, रामलीला मैदान के पास, महाराणा प्रताप चौक, बाबूलाल चौराहा, कालूकुआं, बन्योटा, छोटी बाजार, अलीगंज समेत विभिन्न स्थानों पर जगत माता की प्रतिमाओं की स्थापना की जाएगी। इधर, सीओ सिटी मेविस ने कहा कि उन्हें अभी इस बात की जानकारी नहीं है कि शहर में कितने दुर्गा पंडाल स्थापित किए जाएंगे। केंद्रीय नवदुर्गा पूजा समिति अध्यक्ष अमित सेठ भोलू ने बताया कि शहर में 300 स्थानों पर स्थापित होने वाली दुर्गा प्रतिमाओं में ज्यादातर प्रतिमाएं जबलपुर से लाई जा रही हैं। उन्होंने बताया कि रामलीला बाल समाज के द्वारा मंगलवार को जबलपुर से माताराणी की भव्य प्रतिमा लाई गई है। उन्होंने बताया कि रामलीला मैदान के समीप प्रतिमा लाए जाने के बाद भव्य आरती का आयोजन किया गया। इस आरती में सैकड़ों की संख्या में देवी भक्त शामिल हुए। केंद्रीय पूजा समिति अध्यक्ष के मुताबिक जबलपुर की प्रतिमाएं देवी भक्तों की पहली पसंद बनी हुई हैं।

रामायण सर्किट में शामिल हुआ धोपाप धाम

सुल्तानपुर, (संवाददाता)। रामायण काल से जुड़ा गोमती नदी स्थित लंभुआ का धोपाप धाम रामायण सर्किट योजना में शामिल कर लिया गया है। योजना के अध्यक्ष डॉ. राम अवतार शर्मा ने सूची में धोपाप धाम को 246 वें स्थान पर रख लिया है। रामायण सर्किट से जुड़ने से ध ोपाप धाम पर धार्मिक गतिविधियां बढ़ जाएंगी और यह धाम राष्ट्रीय फलक पर चमकेगा। विजेथुआ धाम 247वें नंबर पर है। मान्यता है कि श्रीलंका में रावण वध ा के बाद अयोध्या वापसी के समय भगवान राम अपनी पत्नी सीता व भाई लक्ष्मण के साथ गोमती नदी के धोपाप घाट पर रुक कर स्नान किया था। पूजा व हवन करके ब्रह्म हत्या से मुक्ति पाई थी। तब से ज्येष्ठ मास के गंगा दशहरा के दिन श्रद्धालु यहां पहुंच कर गोमती नदी में स्नान करते आ रहे हैं। केंद्र सरकार की ओर से भगवान राम से जुड़े स्थलों को जोड़ने के लिए रामायण सर्किट बनाने की योजना लाने पर रामायण काल के स्थानों को जोड़ा जा रहा है। विजेथुआ धाम को शामिल किए जाने के बाद उद्योग व्यापार मंडल के प्रदेश महामंत्री रवींद्र त्रिपाठी लगातार प्रयास कर रहे थे। प्रदेश महामंत्री ने लंभुआ के लोटिया निवासी व विश्व हिंदू

परिषद के क्षेत्रीय संगठन मंत्री दिनेश तिवारी को प्रस्ताव दिया था। बताया कि दिनेश तिवारी चार सितंबर को अयोध्या राम जन्मभूमि कारसेवक पुरम के प्रभारी उमेश पोरवाल को लेकर धोपाप पहुंचे थे। मौके से उन्होंने रामायण सर्किट के अध यक्ष डॉ. राम अवतार शर्मा से बातचीत करके जरूरी कागजात उपलब्ध करा दिए। इसके बाद अध्यक्ष ने धोपाप तीर्थस्थल को रामायण सर्किट में शामिल कर दिया। रामायण सर्किट में धोपाप के शामिल होने से तीर्थस्थल का विकास होगा। योजना के मुताबिक स्मृति स्तंभ बनाए जाएंगे। एक वृहद ग्रंथ तैयार करके रामायण से जुड़ा धारावाहिक बनाया जाएगा। धोपाप को श्रीराम–जानकी व श्रीराम वनगमन मार्ग से जोड़ा जाएगा। मंदिरों का निर्माण व जीर्णोद्धार किया जाएगा। इससे पर्यटन की संभावनाएं भी बढ़ गई हैं।

आफत की बारिश - गिरी दीवार, मजदूर की मौत

सुल्तानपुर, (संवाददाता)। बुधवार सुबह से शुरू हुई बारिश पूरे दिन चलती रही। कादीपुर खुर्द गांव में बुध ावार सुबह बारिश के दौरान दीवार गिरने से मलबे में दबकर बुजुर्ग मजदूर की मौत हो गई। धरमगंज बाजार में मंगरू (59) बुधवार सुबह आठ बजे अपने घर की कच्ची दीवार पर रखा छप्पर ठीक कर रहे थे। तभी अचानक कच्ची दीवार ढह गई। दीवार के मलबे में दबकर वह घायल हो गए। ग्रामीणों ने उन्हें मलबे से बाहर निकाला, लेकिन तब तक मौत हो चुकी थी। कादीपुर कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक श्याम सुंदर ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। मंगरू मजदूरी करते थे। उनकी मौत से परिवार में चीख–पुकार मची है। उधर, कोतवाली देहात के धरमगंज बाजार में पाल्हनपुर गांव निवासी संजय यादव दूध डेयरी का संचालन करते हैं। बुधवार सुबह बारिश के दौरान डेयरी के बगल बिजली गिरने से विद्युत उपकरण फुंक गया। लेखपाल आरबी चौरसिया ने बताया कि घटना की रिपोर्ट भेजी जाएगी। बुधवार को सात बजे से तेज बारिश शुरू हो गई। सुबह 10 बजे तक लगातार तेज बारिश हुई। इसके बाद रुक–रुककर दिन भर बारिश का सिलसिला चलता रहा, जिससे जनजीवन अस्त–व्यस्त हो गया है। शहर के शास्त्रीनगर, दरियापुर, विवेकनगर, नयानगर, गभड़िया प कई मोहल्लों में जलभराव से लोगों को दुश्वारियां झेलनी पड़ीं। शहर से सटे अमहट सब्जी मंडी बारिश के पानी से तालाब बन गई है। सब्जी और फल मंडी के अध्यक्ष शमीम लइया ने बताया कि बारिश के पानी से सब्जियों के भीगने से व्यापारियों का काफी नुकसान हुआ है। बल्दीराय के चकफाजिलपुर गांव के पास सुल्तानपुर–हलियापुर मुख्य मार्ग पर पुराना नीम का पेड़ गिरने से आवागमन बाधित हो गया। करीब एक घंटे तक दोनों तरफ वाहनों की लंबी कतार लगी रही।

बिजली गिरने से दूध डेयरी के उपकरण और वायरिंग जल गई। अलीगंज बाजार और बल्दीराय के चकफाजिलपुर गांव में सड़क पर पेड़ गिरने से आवागमन बाधित रहा। इधर, शहर और ग्रामीण क्षेत्रों जगह–जगह बारिश का पानी भरने से लोगों को आवागमन में दुश्वारियां झेलनी पड़ीं। कादीपुर खुर्द गांव निवासी

दुष्कर्म के दोषी को 10 साल का कठोर कारावास

सुल्तानपुर, (संवाददाता)। किशोरी के अपहरण और दुष्कर्म के मामले में एक दिन पूर्व दोषी ठहराए गए सद्दाम अली के खिलाफ स्पेशल जज पॉक्सो एक्ट नीरज कुमार श्रीवास्तव की अदालत ने बुधवार को अपना फैसला सुनाया। अदालत ने दोषी को 10 वर्ष के कठोर कारावास व 35 हजार रुपये अर्थदंड की सजा दी है। करौंदीकला थाने के एक गांव की रहने वाली पीड़िता किशोरी की मां ने 30 जुलाई 2022 की घटना बताते हुए स्थानीय थाने में मुकदमा दर्ज कराया था। आरोप के मुताबिक, स्थानीय थाने का रहने वाला आरोपी सद्दाम अली उनकी पुत्री (15) को अगवाकर ले गया और उसके साथ दुष्कर्म किया। इस मामले की सुनवाई स्पेशल जज पॉक्सो एक्ट की अदालत में चली।

दुष्कर्म के आरोपी इंस्पेक्टर नीशू तोमर की उन्मोचन अर्जी खारिज

सुल्तानपुर, (संवाददाता)। महिला आरक्षी से दुष्कर्म के आरोप से जुड़े मामले में फास्ट ट्रैक कोर्ट प्रथम जज जलाल मोहम्मद अकबर की अदालत का बुधवार को आरोपी इंस्पेक्टर नीशू तोमर की उन्मोचन अर्जी (अपराध से मुक्त करने) पर फैसला सामने आया। कोर्ट ने आरोपी इंस्पेक्टर की उन्मोचन अर्जी को निराधार पाते हुए खारिज कर दिया। अदालत ने आरोप तय करने की सुनवाई के लिए 25 सितंबर को नीशू तोमर को व्यक्तिगत रूप से तलब किया है। कोतवाली नगर में महिला आरक्षी ने 14 जुलाई 2022 को इंस्पेक्टर नीशू तोमर के खिलाफ यौन शोषण समेत अन्य आरोपों में मुकदमा दर्ज कराया था। मामले में लंबे समय तक नीशू तोमर गैरहाजिर रहे। करीब डेढ़ वर्ष तक मामले की तफ्तीश चली। तत्कालीन क्षेत्राधिकारी नगर ने अपनी जांच पूरी करते हुए सामान्य धाराओं में आरोप पत्र पेश किया था। पुलिस की विवेचना पर सवाल उठाते हुए पीड़िता आरक्षी ने सीजेएम कोर्ट में प्रोटेस्ट अर्जी देकर आपत्ति जताई। सीजेएम ने आठ अप्रैल 2024 को पुलिस की विवेचना में कमी पाते हुए आरोपी नीशू तोमर को दुष्कर्म सहित अन्य धाराओं में सुनवाई के लिए तलब करने का आदेश जारी कर दिया। सीजेएम कोर्ट के इस आदेश को नीशू तोमर ने जिला जज की अदालत में चुनौती दी। 27 जून 2024 को जिला जज की कोर्ट ने भी उनकी निगरानी अर्जी खारिज कर दी। उन्होंने राहत पाने के लिए हाईकोर्ट में भी याचिका दायर किया। उसे भी हाईकोर्ट ने चार सितंबर 2024 को खारिज कर दिया। अंत में उन्हें कोर्ट की कार्यवाही का सामना करना पड़ा, और उन्हें हाईकोर्ट से अग्रिम जमानत मिली। इस मामले का ट्रायल एफटीसी प्रथम की अदालत में चल रहा है, जहां पर नीशू तोमर ने स्वयं को निर्दोष बताते हुए उन्मोचन अर्जी दी थी।

स्मार्ट ट्रेंड्स के जरिये बिजनेस में बढ़त

आज कारोबार केवल मेहनत पर ही नहीं, सही ट्रेंड और समय क्लिक करने की क्षमता पर टिका है। तेजी से बाजार व ग्राहक की पसंद बदल रही है। लेटेस्ट टेक्नोलॉजी मददगार है। लेकिन सिर्फ टेक्नोलॉजी से भी बात नहीं बनती, सवाल है जो कारोबार आप करना चाहते हैं, उस कारोबार में लेटेस्ट ट्रेंड क्या चल रहा है? सामयिक ट्रेंड कम लागत में अधिक नतीजे देते हैं। आज जहां कारोबार में पहले से कहीं ज्यादा कंपिटीशन है, वहीं इसमें कामयाबी पाने को दशकों इंतजार नहीं करना पड़ता। अगर आप अपने दौर के ट्रेंड्स पर नजर रखना जानते हैं तो इन दिनों स्मार्ट ट्रेंड्स अपनाकर कारोबार में जल्द ही कामयाबी पा सकते हैं। आज कारोबार केवल मेहनत पर नहीं, सही ट्रेंड और समय क्लिक करने की क्षमता पर टिका है। तेजी से बाजार व ग्राहक की पसंद बदल रही है। हर क्षेत्र में लेटेस्ट टेक्नोलॉजी के जरिये कामयाबी पा सकते हैं। लेकिन सिर्फ टेक्नोलॉजी से भी बात नहीं बनती, सवाल है जो कारोबार आप करना चाहते हैं, उस कारोबार में सबसे लेटेस्ट ट्रेंड क्या चल रहा है? सामयिक स्मार्ट ट्रेंड आपको कम मेहनत और कम लागत में अधिक नतीजे देते हैं। साथ ही प्रतिस्पर्धा में बढ़त दिलाते हैं। जानिये इन दिनों कारोबार में जारी नये और स्मार्ट ट्रेंड्स –

एआई और ऑटोमेशन

आजकल ग्राहक सेवा से लेकर मार्केटिंग तक हर जगह एआई और ऑटोमेशन का जादू चल रहा है। इसलिए अब जो भी कारोबार कर रहे हों, उसमें इस ट्रेंड्स का इस्तेमाल सुनिश्चित करें। इन दिनों बाजार में एआई चौटबॉट, सोशल मीडिया कंटेंट जनरेशन, डिजाइन, वीडियो एडिटिंग, एचआर ऑटोमेशन आदि सेवाओं की जबर्दस्त मांग है। अगर इस क्षेत्र से कामयाब कारोबार हासिल करना है, तो चौटजीपीटी, मिड जर्नी, कैनवा एआई, रनवे जैसे टूल सीखकर सेवा आधारित बिजनेस शुरू करें। छोटे व्यापारियों को एआई मार्केटिंग पैकेज ऑफर करें, कस्टमर के चौटबॉट सेटअप करें। वहीं वेबसाइट एआई ऑटोमेशन देना और लिंक्ड इन तथा अपवर्क आदि पर इंटरनेशनल क्लाइंट से प्रोजेक्ट लेकर रातोंरात इस कारोबार में आप कामयाबी पा सकते हैं।

ई–कॉमर्स और डायरेक्ट टू कस्टमर

भारत का ऑनलाइन रिटेल बाजार लगातार तेजी से बढ़ रहा है। इसलिए अगर आप छोटे छोटे 'नीश'उत्पादों पर ध्यान देते हैं जैसे ऑर्गेनिक स्नैक्स, लोकल क्राफ्ट्स, ब्यूटी प्रोडक्ट और बच्चों के सामान आदि सीधे ग्राहकों तक पहुंचाते हैं, तो इसमें अच्छा खासा मुनाफा कमाया जा सकता है। यह कारोबार करने के लिए सबसे पहले आपको अपना कोई विशेष प्रोडक्ट चुनना होगा, जो भीड़ से हटकर और लोगों की जरूरत का हो। इसके बाद शॉपीफाई, वु–कॉमर्स या मीशो जैसे प्लेटफॉर्म से ऑनलाइन स्टोर बनाना होगा और डिजिटल मार्केटिंग यानी इंस्टाग्राम रील्स, यू–ट्यूब शॉट्स का सहारा लेना होगा। अमेजन और फ्लिपकार्ट पर भी लिस्टिंग के साथ साथ खुद का डायरेक्ट टू कंज्यूमर ब्रांड विकसित करना होगा। लॉजिस्टिक के लिए डेलीवेरी, शिप रॉकेट जैसी कंपनियां मददगार हैं। कम पूंजी से शुरू करके इस बिजनेस में आप 50 हजार से 1.5 लाख रुपये तक महीने में कमा सकते हैं। अगर मध्यम स्तर पर यानी अमेजन, फ्लिपकार्ट और अपनी खुद की वेबसाइट बनवाकर कारोबार करते हैं तो कमाई दो से पांच लाख रुपये महीने की आसानी से हो सकती है।

हेल्थ केयर और वेलनेस बिजनेस

लोग अब बीमार होने पर सिर्फ डॉक्टर से दवा लेने तक ही सीमित नहीं रहते, बीमारी फिर न हो ऐसी सावधानी पर भी काम करते हैं। ऐसे में फिटनेस सेंटर, योगा एप, न्यूट्रिशन फूड, मानसिक स्वास्थ्य काउंसलिंग, सबकी मांग बहुत तेजी से बढ़ रही है। इसलिए अगर इस क्षेत्र में कामयाब कारोबार खड़ा करना है, तो पहले कोई विशेष सेगमेंट चुन लें जैसे, हेल्दी फूड डिलीवरी, योग, ध्यान क्लास, हर्बल प्रोडक्ट या फिर ऑनलाइन काउंसलिंग।

अपने इन प्रोडक्ट्स को लोकल डॉक्टर, डायटीशियन, योगा ट्रेनर आदि के साथ साझा करें। एक एप या वेबसाइट बनाकर सर्विस ऑनलाइन ऑफर करें। इससे सेलेबिटी आसान होगी। कारपोरेट कंपनियों को पैकेज ऑफर करें। वेलनेस प्रोग्राम कर्मचारियों को सोशल मीडिया पर हेल्थ टिप्स और वीडियो डालकर अपनी ब्रांडिंग मजबूत करें। ध्यान रखें कि जीवनशैली रोग बढ़ रहे हैं। ऐसे में अगर छोटे स्तर पर भी हेल्थ केयर का बिजनेस करेंगे तो भी 40 हजार से 1 लाख रुपये महीने की कमाई को आसानी से कर लेंगे। ऑनलाइन एप के जरिये अपना यह कारोबार जमाते हैं, तो 2 से 6 लाख रुपये महीने का कारोबार संभव है।

खाली पेट पिएं इस खास मसाले का पानी

दालचीनी हमारे रसोई का एक खास मसाला है, जो स्वाद और खुशबू के लिए तो जाना जाता ही है, लेकिन इसके औषधीय गुण भी बहुत प्रभावशाली हैं। आयुर्वेद में दालचीनी का पानी कई बीमारियों में लाभकारी माना गया है। इसे सुबह खाली पेट पीना सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होता है, लेकिन इसे सही मात्रा में और सही तरीके से लेना जरूरी है। जानें दालचीनी का पानी पीने के फायदे।

ब्लड शुगर नियंत्रित करता है

दालचीनी का पानी ब्लड शुगर लेवल को संतुलित रखने में मदद करता है। इसलिए यह डायबिटीज से पीड़ित लोगों के लिए बहुत लाभकारी होता है, क्योंकि यह उनके शरीर में शुगर की मात्रा को नियंत्रण में बनाए रखता है।

पाचन शक्ति सुधारता है

दालचीनी का पानी कब्ज, गैस और अन्य पाचन से जुड़ी समस्याओं को दूर करने में मदद करता है। यह पाचन तंत्र को मजबूत बनाकर खाने को आसानी से पचाने में सहायता करता है।

कोलेस्ट्रॉल नियंत्रित करता है

दालचीनी का पानी नियमित रूप से पीने से हृदय रोगियों को फायदा होता है। यह शरीर में खराब कोलेस्ट्रॉल की मात्रा कम करता है और रक्त संचार को बेहतर बनाकर दिल को स्वस्थ रखता है।

वजन घटाने में मददगार

सुबह खाली पेट गुनगुने पानी में दालचीनी मिलाकर पीने से मेटाबॉलिज्म यानी शरीर की चयापचय प्रक्रिया तेज होती है। इससे शरीर की अतिरिक्त चर्बी धीरे–धीरे कम होने लगती है और वजन घटाने में मदद मिलती है।

इम्यूनिटी बढ़ाता है

दालचीनी में एंटीऑक्सीडेंट और एंटी–इंफ्लेमेटरी गुण पाए जाते हैं, जो शरीर से हानिकारक तत्वों को निकालने में मदद करते हैं। इससे आपकी रोगों से लड़ने की क्षमता यानी इम्यूनिटी मजबूत होती है।

मौसमी बीमारियों से बचाव

दालचीनी का पानी सर्दी, जुकाम और गले की खराश जैसी मौसमी बीमारियों से राहत दिलाने में मदद करता है। यह शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाकर बीमारियों से बचाव करता है।

दालचीनी के पानी के नुकसान

दालचीनी के कई फायदे हैं, लेकिन इसे अधिक मात्रा में या गलत तरीके से पीना नुकसानदेह हो सकता है। इसमें एक तत्व होता है जिसे क्यूमरिन कहते हैं, जो ज्यादा सेवन पर लीवर को नुकसान पहुंचा सकता है। यदि दालचीनी का पानी बहुत गाढ़ा बनाया जाए, तो इससे पेट में जलन या अल्सर की समस्या भी हो सकती है। कुछ लोगों को दालचीनी से एलर्जी हो सकती है, जिसके कारण उनकी त्वचा में खुजली या जलन हो जाती है।

किन लोगों को सावधानी से लेना चाहिए?

गर्भवती महिलाओं को डॉक्टर की सलाह के बिना दालचीनी का सेवन नहीं करना चाहिए क्योंकि यह गर्भ पर नकारात्मक असर डाल सकता है। लो ब्लड शुगर वाले लोगों को भी इसे सावधानी से ही लेना चाहिए, नहीं तो चक्कर आना या कमजोरी जैसी समस्याएं हो सकती हैं। साथ ही, जिन लोगों को दालचीनी से एलर्जी होती है, उन्हें इसका सेवन पूरी तरह से अवपकमक करना चाहिए।

दालचीनी का पानी कैसे बनाएं?

एक गिलास गुनगुना पानी लें और उसमें आधा से एक छोटा चम्मच दालचीनी पाउडर या एक छोटी दालचीनी की डंडी डालें। इसे 5–10 मिनट तक ढक कर रख दें ताकि दालचीनी का असर पानी में अच्छे से आ जाए। फिर इसे छानकर सुबह खाली पेट पी लें।

दालचीनी का पानी स्वस्थ शरीर के लिए कई तरह से फायदेमंद है, खासकर ब्लड शुगर नियंत्रित करने, वजन कम करने और पाचन सुधारने में। लेकिन इसे संतुलित मात्रा में ही लेना चाहिए और कुछ खास हालात में डॉक्टर की सलाह जरूरी है। इस तरह आप दालचीनी के पानी का सही उपयोग करके अपनी सेहत को बेहतर बना सकते हैं।

दिनभर ड्रामे के बाद बैकफुट पर क्यों आया पाकिस्तान

नई दिल्ली, (एजेंसी)। एशिया कप 2025 में बुधवार को बड़ा ड्रामा देखने को मिला। एक समय ऐसा लग रहा था कि पाकिस्तान टीम टूर्नामेंट से हट सकती है, क्योंकि उन्होंने यूएई के खिलाफ मैच के लिए तय समय पर होटल से निकलने से इनकार कर दिया था। हालांकि, बाद में पाकिस्तान की टीम स्टेडियम पहुंची भी और यूएई के खिलाफ मैच भी खेला। बता दें कि, विवाद की शुरुआत 14 सितंबर (रविवार) को भारत और पाकिस्तान के बीच मुकाबले से हुई। भारतीय खिलाड़ियों ने सूर्यकुमार यादव की अगुवाई में पाकिस्तान टीम से हाथ मिलाने से इनकार कर दिया, यहां तक कि जब पाकिस्तानी खिलाड़ी उनके ड्रेसिंग रूम की तरफ बढ़े भारतीय खिलाड़ियों ने दरवाजा बंद कर लिया। इससे पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) बेहद नाराज हो गया और मैच रेफरी एंडी पायक्रॉफ्ट पर पक्षपात का आरोप लगाया। पीसीबी ने आईसीसी से पायक्रॉफ्ट को हटाने की मांग की थी, लेकिन आईसीसी ने छह बिंदुओं पर जवाब देते हुए पीसीबी की शिकायत को निराधार करार दिया। इतना ही नहीं, पाकिस्तान बनाम यूएई मैच में भी रेफरी पायक्रॉफ्ट ही रहे। पीसीबी और एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) के प्रमुख मोहसिन नकवी ने टीम के न हटने के फैसले की वजह बताते हुए कहा, श्14 सितंबर से एक संकट जारी है। हमें मैच रेफरी की भूमिका पर आपत्ति थी। थोड़ी देर पहले ही रेफरी ने कोच, कप्तान और मैनेजर से बातचीत में माना कि ऐसा (हाथ न मिलाना) नहीं होना चाहिए था। हमने आईसीसी से इस पर जांच की भी मांग की थी। हम मानते हैं कि राजनीति और खेल को अलग रखना चाहिए। क्रिकेट को खेल ही रहने दें। नकवी ने आगे कहा कि पाकिस्तान का बहिष्कार का फैसला बहुत बड़ा कदम होता, जिस पर प्रधानमंत्री, सरकारी अधिकारियों और तमाम जिम्मेदार लोगों से राय ली गई थी। आईसीसी ने अपने जवाब में कहा कि पीसीबी की शिकायत में कोई ठोस सबूत या खिलाड़ियों के बयान शामिल नहीं थे। रेफरी पर कोई आरोप साबित नहीं होता और उन्होंने केवल एसीसी वेन्यू मैनेजर के निर्देशों का पालन किया था। आईसीसी ने साफ किया कि हाथ मिलाने का मुद्दा रेफरी के दायरे में नहीं आता, बल्कि यह आयोजकों और टीम मैनेजमेंट का मामला है। खेल की वैश्विक संस्था ने आखिर में टिप्पणी की कि लगता है पीसीबी की असली शिकायत हाथ न मिलाने के फैसले से है, जिसे रेफरी से नहीं बल्कि आयोजकों से उठाना चाहिए।

पाकिस्तान ने यूएई को 41 रन से हराया, शाहीन-हारिस और अबरार को दो-दो विकेट मिले

दुबई, (एजेंसी)। पाकिस्तान ने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) को 41 रन से हराकर एशिया कप 2025 के सुपर–4 चरण के लिए क्वालिफाई कर लिया। बुधवार को दुबई अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम पर खेले गए मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी पाकिस्तान की टीम ने 20 ओवर में नौ विकेट पर 146 रन बनाए। जवाब में यूएई की टीम 17.4 ओवर में सिर्फ 105 रन ही बना पाई और ऑलआउट हो गई। पाकिस्तान की तरफ से शाहीन शाह अफरीदी, हारिस रऊफ और अबरार अहमद को दो–दो विकेट मिले। वहीं, सैम अयूब और सलमान आगा ने एक–एक सफलता अपने नाम की। 21 पर पहला विकेट गिरने के बाद यूएई को दूसरा झटका वसीम के रूप में लगा। कप्तान सिर्फ 14 रन बना पाए। टीम को तीसरा झटका सैम अयूब ने दिया। उन्होंने मुहम्मद जोहेब को बोल्ड किया। वह सिर्फ चार रन बना पाए। फिलहाल क्रीज पर राहुल चोपड़ा और ध्रुव पराशर मौजूद हैं। यूएई को दूसरा झटका अबरार अहमद ने दिया। उन्होंने मोहम्मद नवाज के हाथों कप्तान मुहम्मद वसीम को कैच कराया। वह 15 गेंदों में 14 रन बना पाए। फिलहाल मुहम्मद जोहेब और राहुल चोपड़ा क्रीज पर हैं। 21 पर यूएई को पहला झटका लगा। शाहीन शाह अफरीदी ने अलीशान शराफू को बोल्ड किया। वह आठ गेंदों में 12 रन बना पाए। पाकिस्तान ने यूएई के सामने 147 रनों का लक्ष्य रखा है। करो या मरो मुकाबले में पाकिस्तान ने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के खिलाफ 20 ओवर में नौ विकेट पर 146 रन बनाए हैं। उनके लिए फखर जमां ने सर्वाधिक 50 रन बनाए। वहीं, शाहीन शाह अफरीदी 14 गेंदों में 29 रन बनाकर नाबाद रहे। यूएई के लिए जुनैद सिद्दीकी ने चार और सिमरनजीत सिंह ने तीन विकेट झटके। वहीं, ध्रुव पराशर को एक सफलता मिली। पाकिस्तान को आठवां झटका जुनैद सिद्दीकी ने दिया। उन्होंने मोहम्मद हारिस को बोल्ड किया। वह 18 रन बनाकर आउट हुए।

सरे वनडे में मंधाना का शतक, भारत ने 102 रन की जीत से ऑस्ट्रेलिया से सीरीज 1–1 से बराबर की

चंडीगढ़, (एजेंसी)। उपकप्तान स्मृति मंधाना ने किसी भारतीय महिला बल्लेबाज का दूसरा सबसे तेज वनडे शतक जड़ा जिससे मेजबान टीम ने बुधवार को दूसरे दूसरे एक दिवसीय क्रिकेट मैच में ऑस्ट्रेलिया को 102 रन से करारी शिकस्त देकर तीन मैचों की सीरीज 1–1 से बराबर कर दी। पहले बल्लेबाजी के लिए भेजे जाने पर भारत के लिये बाएं हाथ की बल्लेबाज मंधाना ने 91 गेंद में 117 रन बनाये जिसमे 14 चौके और चार छक्के शामिल थे। उन्होंने अपना शतक सिर्फ 77 गेंद में पूरा किया। जिससे मेजबान टीम ने 292 रन से अपना सर्वोच्च स्कोर बनाया। इसके बाद कई कैच छूटने के बावजूद मेजबान टीम ने ऑस्ट्रेलिया को 40.5 ओवर में 190 रन पर आउट करके बड़ी जीत दर्ज की। भारत को पहले मैच में आठ विकेट से पराजय झेलनी पड़ी थी। तीसरा और आखिरी मैच 20 सितंबर को नई दिल्ली में खेला जाएगा। ऑस्ट्रेलिया की टीम लक्ष्य का पीछा करते हुए लय में नहीं दिखी। भारत की धारदार गेंदबाजी और फील्डिंग ने उन्हें पहले 10 ओवर दो विकेट पर 25 ही बनाने दिए। भारत ने शानदार गेंदबाजी की जिसमें क्रांति गौड़ ने 9.5 ओवर में 28 रन देकर तीन विकेट चटकाए। दीप्ति शर्मा ने 30वें ओवर के बाद दो विकेट चटकाकर ऑस्ट्रेलिया के लिए जीत का रास्ता बंद कर दिया। रेणुका ठाकुर (28 रन देकर एक विकेट) ने दूसरे ओवर में जॉर्जिया वोल (शून्य) को आउट कर मैच की लय तय की और गौड़ ने खतरनाक एलिसा हीली (09) को पांचवें ओवर में अरुंधति रेड्डी के हाथों कैच आउट करा दिया।

भारत के बाद पाकिस्तान टीम भी सुपर-4 में पहुंची

नई दिल्ली, (एजेंसी)। पाकिस्तान ने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) को 41 रन से हराकर एशिया कप 2025 के सुपर–4 चरण के लिए क्वालिफाई कर लिया। बुधवार को दुबई अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम पर खेले गए मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी पाकिस्तान की टीम ने 20 ओवर में नौ विकेट पर 146 रन बनाए। जवाब में यूएई की टीम 17.4 ओवर में सिर्फ 105 रन ही बना पाई और ऑलआउट हो गई। पाकिस्तान की तरफ से शाहीन शाह अफरीदी, हारिस रऊफ और अबरार अहमद को दो–दो विकेट मिले। वहीं, सैम अयूब और सलमान आगा ने एक–एक सफलता अपने नाम की।

ग्रुप ए से भारत और पाकिस्तान की टीमों ने सुपर–4 में प्रवेश कर लिया। भारत ने अपने दोनों मुकाबलों में जीत दर्ज की और चार अंक व 4.793 के नेट रन रेट के साथ शीर्ष पर है। अब टीम का ग्रुप चरण में तीसरा मुकाबला 19 सितंबर को ओमान से होना है। वहीं, पाकिस्तान की टीम ने अपने तीनों मुकाबले खेल लिए। पहले मैच में उसने ओमान को 93 रन से हराकर अपने अभियान की शुरुआत की। हालांकि, भारत के हाथों रविवार यानी 14 सितंबर को उसे मुंह की खानी पड़ी। तीसरे मैच में वापसी करते हुए पाकिस्तान ने यूएई को हरा दिया और चार अंक व 1.790 के नेट रन रेट के साथ दूसरे स्थान पर रही। यूएई और ओमान की टीमें क्रमशरू तीसरे और चौथे पायदान पर रहीं। करो या मरो मुकाबले में पाकिस्तान के बल्लेबाजों का प्रदर्शन निराशाजनक रहा, लेकिन गेंदबाजी में उन्होंने कोई कसर नहीं छोड़ी।

आईसीसी से मुंह की खाने के बाद पीसीबी का दावा

दुबई, (एजेंसी)। पाकिस्तान को एंडी पाइक्रॉफ्ट को मैच रैफरी के तौर पर हटाने की उसकी मांग आईसीसी द्वारा दूसरी बार खारिज किए जाने के बाद एशिया कप के बहिष्कार की धमकी वापिस लेकर यूएई के खिलाफ ने इसके लिए माफी मांग ली है। पीसीबी ने 'एक्स' पर एक बयान में कहा, श्आईसीसी के विवादास्पद मैच रैफरी एंडी पाइक्रॉफ्ट ने पाकिस्तानी क्रिकेट टीम के मैनेजर और कप्तान से माफी मांगी है।श एंडी पायक्रॉफ्ट ने

करो या मरो का मुकाबला खेलने स्टेडियम पहुंचना पड़ा। हालांकि, इस पूरे ड्रामे की वजह से मैच देरी से शुरू हुआ। बाद में पाकिस्तान ने दावा किया कि पायक्रॉफ्ट ने माफी मांग ली है। पाकिस्तान ने दावा किया कि पायक्रॉफ्ट भारत–पाकिस्तान मैच के दौरान दोनों टीमों के कप्तानों को हाथ मिलाने से रोका था। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने एंडी पाइक्रॉफ्ट की हरकत पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की थी। एंडी पाइक्रॉफ्ट ने 14 सितंबर की घटना को गलतफहमी का नतीजा बताया और माफी मांगी। पाकिस्तान बोर्ड ने यह भी दावा किया कि आईसीसी पायक्रॉफ्ट के खिलाफ उसकी शिकायत की जांच करेगा। इसमें कहा गया, श्आईसीसी ने 14 सितंबर को मैच के दौरान आचार संहिता के उल्लंघन की जांच करने की तत्परता व्यक्त की है।

आईसीसी के सीईओ ने दी नकवी को दी जानकारी

इस मैच में पायक्रॉफ्ट मैच रेफरी हैं। आईसीसी के सीईओ संजोग गुप्ता ने कांफ्रेंस कॉल पर पीसीबी चेयरमैन मोहसिन नकवी को इसकी जानकारी दी। आईसीसी ने कहा कि जिम्बाब्वे के इस मैच रेफरी ने नियमों का पालन किया है और वह इस मैच में रेफरी रहेंगे। भारत के खिलाफ रविवार के मैच के बाद भारतीय खिलाड़ियों के हाथ नहीं मिलाने पर हुई शर्मिंदगी के लिए पाकिस्तान ने पायक्रॉफ्ट को जिम्मेदार ठहराया था। भारतीय टीम ने पहलगाम आतंकवादी हमले के पीडितों के प्रति एकजुटता दिखाने

मक्खन लगाया जाता था, धोनी–पठान हुक्का विवाद में कूदे मनोज तिवारी, खोले कई नए राज

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट में टीम इंडिया के ड्रेसिंग रूम कल्चर को लेकर एक बार फिर से पुराना विवाद ताजा हो गया है। हाल ही में पूर्व ऑलराउंडर इरफान पठान का एक पुराना बयान सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था, जिसमें उन्होंने पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी पर गंभीर आरोप लगाए थे। उन्होंने कहा था कि वह धोनी के कमरे में जाकर हुक्का नहीं लगाते थे और इस वजह से उन्हें टीम से बाहर होना पड़ा। अब पूर्व भारतीय क्रिकेटर मनोज तिवारी ने धोनी के कथित श्हुक्का सेशंसश को लेकर बड़ा बयान दिया है। तिवारी ने भी खुलासा किया है कि उस दौर में कुछ खिलाड़ी धोनी के करीब होने के लिए उनके कमरे में होने वाले हुक्का सेशंस में शामिल होते थे। मनोज तिवारी का खुलासा मनोज तिवारी ने एक स्पोर्ट्स वेबसाइट से बातचीत में कहा, श्हमने खुद नजदीक से ये सब देखा है। ऐसे सेशंस होते थे जहां हुक्का लिया जाता था और वहां कुछ खिलाड़ी ही होते थे जो कप्तान के करीब थे। उस समय कुछ खिलाड़ी इतने स्मार्ट थे कि वे कप्तान को मक्खन लगाते थे ताकि कप्तान से मदद मिल सके। तिवारी ने साफ किया कि यह किसी पर थोपे जाने वाली चीज नहीं थी। तिवारी ने कहा, श्यह जरूरी नहीं था कि हर कोई वहां जाए। सिर्फ वही खिलाड़ी वहां जाते थे जिन्हें पता होता था कि कमरा हुक्के के लिए खुला है। तिवारी ने कहा कि धोनी का दरवाजा हमेशा सबके लिए खुला रहता था लेकिन ज्यादातर वही खिलाड़ी वहां जाते थे जो उनके करीब होते थे। तिवारी ने कहा, श्जो खिलाड़ी कप्तान के करीबी थे या समझदार थे, वही जानते थे कि दरवाजा सबके लिए खुला है।

इरफान पठान के बयान के बाद बढ़ा मामला

तिवारी का यह बयान उसी विवाद को हवा दे रहा है जो हाल ही में इरफान पठान ने उठाया था। पठान ने पांच साल पहले टीम इंडिया के हुक्का कल्चर का जिक्र करते हुए कहा था कि श्मैं ऐसा इंसान नहीं हूं जो किसी के कमरे में हुक्का लगाकर उसे खुश करने जाए।

पठान ने हुक्का को लेकर कही थी यह बात

पठान ने 2012 में टीम से बाहर होने के लिए धोनी का नाम लिए बिना उन्हें जिम्मेदार ठहराते हुए कहा था, श्मुझे किसी के कमरे में हुक्का लगाने या बेवजह बातें करने की आदत नहीं है।

बुटिजज को लड़ाना चाहती थीं उपराष्ट्रपति चुनाव

वॉशिंगटन, (एजेंसी)। अमेरिका की पूर्व उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने अपनी नई किताब में कई बड़े खुलासे किए है। इसी में एक खुलासा उन्होंने उपराष्ट्रपति चुनाव को लेकर किया है। हैरिस ने बताया कि 2024 के राष्ट्रपति चुनाव में उनकी पहली पसंद बतौर रनिंग मेट पीट बुटिजज थे। हालांकि, उन्होंने यह जोड़ी बनने से पहले ही पीछे हटने का फैसला लिया क्योंकि उन्हें लगा कि अमेरिका एक साथ इतने बदलाव को स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं था। हैरिस ने श्107 डेजश नामक किताब में लिखा कि परिवहन मंत्री पीट बुटिजज उनके लिए आदर्श चुनावी साथी होते। उन्होंने कहा, कि अगर मैं एक श्वेत पुरुष होती, तो शायद यह जोड़ी आदर्श होती। लेकिन उन्होंने माना कि अमेरिका से एक साथ महिला, अश्वेत और यहूदी पृष्ठभूमि वाले परिवार को स्वीकार करने की उम्मीद करना उस समय बड़ा जोखिम होता। किताब में हैरिस लिखती हैं कि उनका मन तो कहता था कि चलो कर ही देते हैं लेकिन चुनाव की गंभीरता को देखते हुए उन्हें समझ आया कि यह दांव जोखिम भरा हो सकता है। उन्होंने कहा कि पीट और वे दोनों इस हकीकत को समझते थे और यह निर्णय उनके लिए दुखदायी भी था। पीट बुटिजज इंडियाना के साउथ बेंड शहर के मेयर रहे और नौसेना रिजर्व में इंटेलिजेंस ऑफिसर भी। वे 2020 के राष्ट्रपति चुनाव में डेमोक्रेटिक उम्मीदवार के तौर पर उतरे और आयोवा कॉकस में शीर्ष पर भी रहे। इसी दौरान उन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाई। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं है कि किस मोड़ पर हैरिस ने उनके साथ जोड़ी बनाने का विचार छोड़ दिया। 2024 में जब तत्कालीन राष्ट्रपति जो बाइडन ने बहस में खराब प्रदर्शन के बाद चुनावी दौड़ से हटने का एलान किया, तब डेमोक्रेटिक पार्टी का चेहरा हैरिस बनीं। अंततः उन्होंने मिनेसोटा के गवर्नर टिम वाल्ज को रनिंग मेट चुना। बता दें, वाल्ज की टिप्पणी श्ये लोग बस अजीब हैंश ट्रंप और जेडी वेंस पर खूब वायरल हुई थी। इसके बावजूद हैरिस चुनाव हार गईं थीं।

स्टारबक्स कर्मचारियों ने ड्रेस कोड को लेकर कंपनी पर ठोका मुकदमा

वॉशिंगटन, (एजेंसी)। स्टारबक्स के नए ड्रेस कोड ने कर्मचारियों में असंतोष भड़का दिया है। अमेरिका के तीन राज्यों के कर्मचारियों ने कंपनी के खिलाफ मुकदमा दायर किया है। उनका आरोप है कि कंपनी ने ड्रेस कोड बदलते समय कर्मचारियों को नए कपड़े खरीदने के लिए बाध्य किया, लेकिन खर्च की भरपाई करने से इनकार कर दिया। मुकदमे इलिनॉय और कोलोराडो की अदालतों में दाखिल किए गए, जबकि कैलिफोर्निया में शिकायत दर्ज की गई है। स्टारबक्स ने 12 मई से नया ड्रेस कोड लागू किया है। इसके तहत सभी कर्मचारियों को ठोस काले रंग की शर्ट पहननी होगी, जो कंपनी की हरी एप्रन के नीचे साफ दिखाई दे। इसके अलावा खाकी, काले या नीले रंग की जींस या पैंट पहनना अनिवार्य कर दिया गया है। जूतों पर भी कड़े नियम लागू किए गए हैं। कंपनी का कहना है कि बदलाव का मकसद ग्राहकों को एक समान अनुभव देना है। कर्मचारियों का कहना है कि उन्हें अपने पैसे से नए कपड़े खरीदने पड़े। कैलिफोर्निया की छात्रा और स्टारबक्स कर्मचारी ब्रूक एलेन ने बताया कि उसे सिर्फ जूते के लिए 60 डॉलर खर्च करने पड़े और कपड़ों पर करीब 87 डॉलर अलग से। उसने कहा, कंपनी यह समझने में नाकाम रही कि हममें से कई लोग पहले से ही वेतन–से–वेतन पर जी रहे हैं। स्टारबक्स ने सीधे मुकदमों पर प्रतिक्रिया नहीं दी, लेकिन बयान में कहा कि ड्रेस कोड को सरल बनाकर कर्मचारियों को स्पष्ट मार्गदर्शन दिया गया है। कंपनी ने बताया कि बदलाव लागू करने से पहले कर्मचारियों को मुफ्त में दो शर्ट दी गईं। स्टारबक्स अपने कर्मचारियों को "पार्टनर्स" कहता है और कंपनी का दावा है कि यह कदम कार्यस्थल पर एकजुटता और अनुशासन बढ़ाने के लिए उठाया गया। मुकदमों में आरोप है कि स्टारबक्स का यह ड्रेस कोड उन राज्य कानूनों का उल्लंघन करता है, जिनमें नियोक्ताओं को कर्मचारियों के लिए ऐसे खर्च की भरपाई करनी होती है जो मुख्य रूप से कंपनी के फायदे के लिए किए जाते हैं। कोलोराडो के मुकदमे में कहा गया है कि बिना लिखित सहमति के कर्मचारियों पर खर्च डालना कानून के खिलाफ है। स्टारबक्स वर्कर्स यूनाइटेड नामक श्रमिक संगठन पहले ही 640 स्टोर्स में यूनियन बना चुका है और कंपनी पर सैकड़ों अनुचित श्रम व्यवहार के मामले दर्ज कर चुका है। संगठन ने अप्रैल में ड्रेस कोड पर शिकायत की थी।

ट्रंप-एपस्टीन बर्थडे नोट पर गहराया विवाद

वॉशिंगटन, (एजेंसी)। एफबीआई डायरेक्टर काश पटेल ने पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और दिवंगत अरबपति जेफ्री एपस्टीन के बीच कथित 'बर्थडे नोट' विवाद की जांच पर सहमति जताई है। यह नोट एपस्टीन की 50वीं सालगिरह पर लिखा गया।

अमेरिकी पुलिस ने बताया किर्क के हत्यारे ने क्यों किया आत्मसमर्पण

वॉशिंगटन, (एजेंसी)। यूटा में कंजरवेटिव एक्टिविस्ट और ट्रंप के करीबी सहयोगी चार्ली किर्क की गोली मारकर हत्या कर दी गई। इस सनसनीखेज वारदात के आरोपी टायलर रॉबिन्सन ने आखिरकार पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया है। हालांकि अब खुलासा हुआ है कि रॉबिन्सन ने क्यों सरेंडर किया। पुलिस ने बताया कि उसको डर था कि कहीं उसे मुठभेड़ में गोली न मार दी जाए। इसी वजह से उसने साफ किया कि वह तभी सरेंडर करेगा जब पूरी प्रक्रिया शांतिपूर्ण तरीके से होगी। वहां के एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि बीते गुरुवार को वाशिंगटन काउंटी कार्यालय में अपने माता–पिता के साथ उसने आत्मसमर्पण किया। यह कदम उसने घटना के अगले दिन उठाया। उस वक्त वह बेहद चुप और गंभीर दिखाई दे रहा था। साथ ही पुलिस ने ये भी कहा कि उसकी गिरफ्तारी में स्वाट टीम की बजाय पारिवारिक दबाव और भरोसेमंद मध्यस्थ का रोल अहम रहा।

चार्ली किर्क की हत्या और मामला दर्ज

प्रॉसिक्यूटरों ने रॉबिन्सन पर कैपिटल मर्डर का केस दर्ज किया है और साफ किया है कि वे उस पर मृत्युदंड की मांग करेंगे। कोर्ट में पेश दस्तावेजों में उसके खिलाफ डीएनए सबूत और आपत्तिजनक संदेश शामिल हैं। आरोप है कि रॉबिन्सन ने 10 सितंबर को यूटा वैली यूनिवर्सिटी में किर्क को निशाना बनाकर गोली मारी थी। किर्क की हत्या के बाद यूनिवर्सिटी में लौटे छात्रों पर गम का साया छाया रहा।

आतंकवाद पर सख्त, लेकिन जनता के लिए मानवीय सहयोग जारी

न्यूयॉर्क, (एजेंसी)। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि पर्वतनेनी हरीश ने बुधवार को अफगानिस्तान को लेकर भारत की प्राथमिकताओं को साफ किया है। उन्होंने कहा कि भारत का उद्देश्य अफगानिस्तान में शांति, स्थिरता और विकास को मजबूत करना है। उन्होंने भारत की प्रतिबद्धिता को दोहराते हुए कहा कि भारत मानवीय सहायता, क्षमता निर्माण और आतंकवाद से निपटने के लिए सक्रिय रूप से योगदान करता रहेगा। कहा कि इस पद पर उनके अंतिम कार्यकाल के रूप में, मैं इस एजेंसी का नेतृत्व करने के लिए अपने प्रतिनिधिमंडल की ओर से हार्दिक आभार व्यक्त करना चाहता हूं। हम उनके घनिष्ठ सहयोग को महत्व देते हैं और भविष्य में यूएनएएमए के साथ इसे आगे बढ़ाने की आशा करते हैं। उन्होंने बताया कि भारत और अफगानिस्तान के बीच सभ्यतागत और ऐतिहासिक संबंध हैं, जो दोनों देशों की मित्रता को और गहराई देते हैं। इसी आधार पर भारत अफगान जनता के साथ घनिष्ठ जुड़ाव को आगे बढ़ा रहा है। उन्होंने कहा कि हमारे लिए अफगानिस्तान में शांति और स्थिरता सर्वोच्च प्राथमिकता है। इस दिशा में अंतरराष्ट्रीय और क्षेत्रीय सहयोग बेहद जरूरी है और भारत इस प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी करता है। पी हरीश ने आगे कहा कि भारत की तत्काल प्राथमिकताओं में मानवीय सहायता, क्षमता–विकास पहल और विकास परियोजनाओं का क्रियान्वयन शामिल है। उन्होंने जोर देकर कहा कि भारत अब तक अफगानिस्तान के सभी प्रांतों में 500 से अधिक विकास परियोजनाओं को अमलीजामा पहना चुका है। इतना ही नहीं, भारत स्वास्थ्य, खाद्य सुरक्षा, शिक्षा और खेल जैसे क्षेत्रों में भी संयुक्त राष्ट्र की एजेंसियों के साथ मिलकर काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि उसकी ये कोशिशें अफगानिस्तान के पुनर्निर्माण और वहां के लोगों के जीवन में सुधार की दिशा में भारत की प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं।

भूकंप पीड़ितों के लिए भारत ने तुरंत भेजी मदद

पी हरीश ने अपने संबोधन में कहा कि हाल ही में अफगानिस्तान में आए विनाशकारी भूकंप के बाद सबसे पहले मदद भेजने वाले देशों में भारत शामिल था। भारत ने तुरंत 1,000 फैमिली टेंट और 15 टन खाद्य सामग्री प्रभावित इलाकों में पहुंचाई। इसके अलावा 21 टन राहत सामग्री, जिसमें दवाइयां, स्वच्छता किट, कंबल और जनरेटर शामिल थे, भेजी गई। उन्होंने कहा कि भारत लगातार आपदा पीड़ितों की मदद कर रहा है। आने वाले दिनों में और भी राहत सामग्री भेजी जाएगी। उन्होंने कहा कि अगस्त 2021 से अब तक भारत ने अफगानिस्तान के लोगों के लिए 50,000 टन गेहूं, 330 टन से अधिक दवाइयां और टीके, 40000 लीटर कीटनाशक और अन्य जरूरी सामग्री भेज चुका है।

नशा–मुक्ति और शिक्षा पर भी भारत का जोर

इस दौरान पी हरीश ने यह भी कहा कि भारत अफगानिस्तान में यूएनओडीसी के साथ मिलकर नशा–मुक्ति और शिक्षा खास तौर पर महिला शिक्षा के लिए भी काम कर रहा है। ऐसे कार्यक्रमों के लिए भारत ने 84 मीट्रिक टन सहायता और दवाइयां तथा 32 मीट्रिक टन सामाजिक सहयोग सामग्री उपलब्ध कराई है। शिक्षा के क्षेत्र में भी भारत ने बड़ा योगदान दिया

किसी पर भी हमला दोनों के खिलाफ आक्रमण माना जाएगा

रियाद, (एजेंसी)। आतंकवाद के खिलाफ भारत की लड़ाई और श्ऑपरेशन सिंदूरश से घबराए पाकिस्तान ने अब दूसरों के सामने अपनी सुरक्षा के लिए मदद की भीख मांगना शुरू कर दिया है। इसके तहत पाकिस्तान और सऊदी अरब ने बुधवार को एक रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर किए। इसके तहत किसी भी देश के खिलाफ किसी भी हमले को दोनों के खिलाफ आक्रमण माना जाएगा। एक न्यूज की रिपोर्ट के हवाले से समाचार एजेंसी पीटीआई ने बताया कि प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की रियाद की राजकीय यात्रा के दौरान श्रणनीतिक पारस्परिक रक्षा समझौतेश पर हस्ताक्षर किए गए। इससे पहले शहबाज का स्वागत क्राउन प्रिंस और प्रधानमंत्री मोहम्मद बिन सलमान ने अल–यममाह पैलेस में किया। डॉन अखबार के अनुसार, प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से एक

बयान में समझौते पर हस्ताक्षर की घोषणा की गई, जिसमें कहा गया है कि किसी भी देश के खिलाफ किसी भी आक्रमण को दोनों के खिलाफ आक्रमण माना जाएगा। हस्ताक्षर समारोह के बाद जारी एक संयुक्त बयान में कहा गया, श्लगभग आठ दशकों से चली आ रही साझेदारी को आगे बढ़ाते हुए और भाईचारे, इस्लामी एकजुटता और साझा रणनीतिक हितों के बंधनों पर आधारित दोनों पक्षों ने रणनीतिक पारस्परिक रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर किए।

किसी भी आक्रमण के विरुद्ध संयुक्त प्रतिरोध को मजबूत करना

बयान में कहा गया है कि यह समझौता द्विपक्षीय सुरक्षा संबंधों को बढ़ाने और क्षेत्रीय एवं वैश्विक शांति में योगदान देने की संयुक्त प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इसका उद्देश्य रक्षा सहयोग को और विकसित करना और किसी भी आक्रमण के विरुद्ध संयुक्त प्रतिरोध को मजबूत करना है।

देश की उपासना
(हिन्दी साप्ताहिक)

स्वात्वाधिकारी की ओर से मेसर्स प्रभु दयाल प्रकाशन के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक पी.सी. श्रीवास्तव द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर (उ0 प्र0) से मुद्रित तथा ई–3464, राजाजीपुरम (मिनी स्टेडियम के पास) लखनऊ (उ0प्र0) से प्रकाशित।

सम्पादक
पी.सी. श्रीवास्तव
मो. 7007415808
9415034002

समाचार पत्र में छपे समस्त समाचार संवाददाताओं के अपने स्रोत एवं संकलन है। जिसमें सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

नोट : उपरोक्त सभी पद अवैतनिक एवं स्वयं सेवी है। तथा समाचार से सम्बन्धित सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा।

खबरों के लिए ई–मेल का प्रयोग करें–
deshkiupasanadailynews@gmail.com
dkunews01@gmail.com

पंजीकृत कार्यालय–उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर (उ0प्र0) 7007415808 / 9415034002